Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 71 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, गुरुवार 29 अगस्त 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

अपने आप को सजग बनाये रखना ही स्वाध्याय का फल है।

Maintaining self-awareness is the result of studying the self.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

गुजरात में बाढ़ को लेकर प्रियंका गांधी ने जताया दुख, सरकार से की मदद की अपील

नई दिल्ली (आरएनएस)। गुजरात में बाढ़ से जनजीवन प्रभावित है। बाढ़ से कई लोगों की मौत की खबरें सामने आई है, जिस पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने दुख जताया है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने गुजरात में बाढ़ के कारण हुई मृत्यु और विनाश के बारे में दुख व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा, गुजरात में बाढ़ की वजह से कई लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। इस आपदा में हजारों लोग बेघर हो गए हैं। बड़े पैमाने पर संपत्तियों का नुकसान हुआ है। प्रियंका गांधी ने शोक-संतप्त परिवारों और पीड़ितों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की

रायपुर में चलती मालगाड़ी दो भागों में बंटा

रायपुर (आरएनएस)। रायपुर में चलती मालगाड़ी 2 भागों में बंट गई। जानकारी के अनुसार चलते इंजन से डिब्बे अलग हो गए। आनन फानन में अधिकारियों की टीम पहुंची है। मरम्मत के बाद मालगाड़ी को रवाना किया गया। बता दें कि यह घटना मोहबा बाजार के पास हुई है। कुछ दिन पहले इसी रुट पर यात्री ट्रेन हादसे का शिकार हुआ था। जिसमें एक यात्री की मौत हुई थी। लोहे का खंभा ट्रेन की खड़की में जा गिरी थी। दर्जनभर यात्री घायल हुए थे। रेलवे इस घटना के लिए बिजली विभाग को जिम्मेदार ठहराया था।

छत्तीसगढ़ के माओवादी आतंक प्रभावित जिलों के विद्यार्थियों को तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के लिए मिलेगा ब्याज रहित ऋण : विष्णुदेव साय

- शेष जिलों के विद्यार्थियों को 1 प्रतिशत ब्याज दर पर मिलेगा ऋण
- कमजोर आर्थिक स्थिति वाले विद्यार्थियों को मिलेंगे तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा के बेहतर अवसर
- मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा ऋण ब्याज अनुदान योजनाः 2 लाख से कम वार्षिक आय वाले परिवारों के विद्यार्थी होंगे पात्र
- डिप्लोमा, स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के 35 तकनीकी एवं अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रम शामिल
- ब्याज अनुदान के लिए शिक्षा ऋण की अधिकतम सीमा 4 लाख रूपए
- कलेक्टरों को अभियान चलाकर अधिक से अधिक छात्रों को योजना का लाभ दिलाने के निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के माओवादी आतंक से प्रभावित जिलों में कमजोर आर्थिक स्थिति वाले परिवारों के बच्चों को तकनीकी एवं व्यावसायिक उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर दिलाने के लिए ब्याज मुक्त ऋण दिया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इन जिलों में अधिक से अधिक विद्यार्थियों को 'मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा ऋण ब्याज अनुदान योजना' के तहत लाभान्वित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इसके लिए विशेष अभियान चलाने कहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने राज्य के अन्य जिलों के कलेक्टरों को भी कमजोर आर्थिक स्थिति वाले परिवारों के बच्चों को भी तकनीकी एवं व्यावसायिक उच्च शिक्षा के लिए एक प्रतिशत के ब्याज दर पर दी जा रही ऋण सुविधा का लाभ दिलाने के निर्देश भी दिए हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा ऋण ब्याज अनुदान योजना के संचालन के लिए तकनीकी शिक्षा विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है। इस योजना के अंतर्गत डिप्लोमा, स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के 35 तकनीकी एवं अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को शामिल किया गया है। योजना में ब्याज अनुदान के लिए शिक्षा ऋण की अधिकतम सीमा रूपये 4 लाख निर्धारित है।

मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा ऋण ब्याज अनुदान योजना के तहत तकनीकी शिक्षा एवं अन्य व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रमों में प्रवेशित ऐसे छात्रों को, जिनके परिवारों की वार्षिक आय 2 लाख से कम है, उनको मोरेटोरियम अवधि के पश्चात ऋण किश्तों के नियमित भुगतान की स्थिति में केवल एक प्रतिशत की दर से ब्याज देय होगा। शेष ब्याज की राशि का भुगतान राज्य शासन द्वारा सीधे संबंधित बैंक को किया जायेगा।

राज्य के माओवादी आतंक प्रभावित जिले बस्तर, बीजापुर, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, जशपुर, उत्तर बस्तर कांकेर, कोरिया, नारायणपुर, राजनांदगांव, सरगुजा, धमतरी, महासमुंद, गरियाबंद, बालोद, सुकमा, कोण्डागांव एवं बलरामपुर जिले के छात्रों को ब्याज मुक्त ऋण मिलेगा।

इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए निर्धारित शर्तों में छात्र को छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना चाहिए। छत्तीसगढ़ राज्य में स्थापित तथा सक्षम प्राधिकारी (यथा एआईसीटीई, यूजीसी) मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम प्रवेशित हो। अधिकतम पारिवारिक आय रूपये 2 लाख होनी चाहिए, जो कि सक्षम अधिकारी द्वारा जारी आय प्रमाण-पत्र द्वारा प्रमाणित होनी चाहिए।

योजना के अंतर्गत ब्याज अनुदान के लिए शिक्षा ऋण की अधिकतम सीमा रूपये 4 लाख है। ब्याज अनुदान का लाभ लेने के लिए नियमित रूप से ऋण किश्तों का भुगतान अनिवार्य है। ड्राप ऑउट एवं निष्कासित छात्र इस योजना के लाभार्थी नहीं बने रहेंगे किन्तु चिकित्सीय कारणों से एक वर्ष की अधिकतम सीमा तक अध्ययन में रूकावट होने की दशा में पात्रता बनी रहेगी।

इन पाठ्यक्रमों में मिलेगा लाभ

योजना के अंतर्गत बीई/बीटेक, एमई, एम टेक, डी आर्क, एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग, एमसीए, एम.बी.ए, डीई, बी.पी.एड, एमपीएड, पी.जी.डी.सी.ए., बी.एच.एम.एस., बी.ए.एम.एस, बी.एन.वाई.एस, बी.एन.एस., बी.यू.एम.एस, वी.एफ.एस.सी., बी.टेक डेयरी, बी.एग्री, बी.डी.एस, एमडीएस, एमबीबीएस, बीव्हीएससी, बीएससी नर्सिंग बेसिक तथा पोस्ट बेसिक, बी. फार्मा, एम फार्मा, डी फार्मा, डिप्लोमा इन मॉर्डन आफिस मेनेजमेंट, डिप्लोमा इन इंटीरियर डेकोरेशन एण्ड डिजाइन, डिप्लोमा इस कास्टयूम डिजाईन एण्ड ड्रेस मेकिंग, बीएड, डीएड, एमएड, के पाठ्यक्रमों में अध्ययन के लिए योजना का लाभ लिया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए दूरभाष नंबर 0771-2331231 सम्पर्क तथा वेबसाइट http://www.cgdteraipur.cgstate.gov.in पर अवलोकन किया जा सकता है।

केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में 1360 करोड़ रुपए की लागत के भालुमुड़ा-सारडेगा रेल परियोजना को मिली स्वीकृति

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों को दी बधाई

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज केन्द्रीय कैबिनेट की बैठक में 1360 करोड़ रूपए लागत की भालुमुड़ा-सारडेगा रेल परियोजना की मंजूरी मिलने पर छत्तीसगढ़वासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में स्थित भालुमुड़ा से ओड़िसा के सारडेगा तक 37 किलोमीटर नई दोहरी रेल लाइन की मंजूरी दिए जाने से छत्तीसगढ़ में मौजूदा रेल नेटवर्क का विस्तार होने के साथ ही बड़ी संख्या में प्रदेशवासियों की देश के अन्य क्षेत्रों से कनेक्टिविटी बढ़ेगी और आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र का विकास होगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के भालुमुड़ा से ओडिसा के सारडेगा तक 37 किलोमीटर नई दोहरी रेल लाइन परियोजना से 25 लाख मानव दिवस का रोजगार सृजन होगा और 84 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन में कमी आएगी जो 3.4 करोड़ वृक्षों के रोपण के तुल्य है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह मार्ग कृषि उत्पादों, उर्वरक, कोयला, लौह अयस्क, इस्पात, सीमेंट, चूना पत्थर आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। उन्होंने कहा कि नई रेल लाइन की स्वीकृति से छत्तीसगढ़ की देश के अन्य राज्यों से सीधी कनेक्टिविटी बनेगी, आवागमन में सुधार होगा तथा भारतीय रेलवे की दक्षता और सेवा संबंधी विश्वसनीयता भी बढ़ेगी।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति (सीसीईए) ने आज रेल मंत्रालय की लगभग 6,456 करोड़ रुपये की कुल अनुमानित लागत वाली तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी है। ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ जैसे 4 राज्यों के 7 जिलों में लागू की जाने वाली तीन परियोजनाएं भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 300 किलोमीटर तक बढ़ा देंगी। इन परियोजनाओं से दूर-दराज़ के इलाकों को आपस में जोड़कर लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार लाने, मौजूदा लाइन क्षमता बढ़ाने और परिवहन नेटवर्क का विस्तार करने के साथ-साथ आपूर्ति श्रृंखला को सुव्यवस्थित किया जा सकेगा जिससे तेजी से आर्थिक विकास होगा। मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव परिचालन को आसान बनाएगा और भीड़भाड़ को कम करेगा, जिससे भारतीय रेलवे के सबसे व्यस्त खंडों पर बेहद जरूरी बुनियादी ढांचे का विकास होगा।

देश में 12 नए औद्योगिक शहर बनेंगे, 10 लाख लोगों को मिलेंगी नौकरियां, मोदी कैबिनेट में कई बड़े फैसलों पर लगी मुहर

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम के तहत 12 इंडस्ट्रियल स्मार्ट सिटी तैयार करने की मंजूरी दी गई है। इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में उत्तर प्रदेश के आगरा और प्रयागराज, और बिहार के गया जिले को शामिल किया गया है। सरकार इस प्रोजेक्ट के लिए 28,602 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इसके माध्यम से 10 लाख लोगों को सीधे रोजगार मिलने की संभावना है। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 9 राज्यों में 12 नए इंडस्ट्रियल स्मार्ट सिटी बनाने की मंजूरी दी है। इस पर कुल 28,602 करोड़ रुपये का निवेश होगा। प्रस्तावित 12 इंडस्ट्रियल स्मार्ट सिटी के माध्यम से 1.52 लाख करोड़ रुपये की निवेश संभावनाएं उत्पन्न होंगी। यह प्रोजेक्ट 9 राज्यों में फैले 6 प्रमुख गलियारों के साथ रणनीतिक रूप से नियोजित किया गया है, जिसे देश की विनिर्माण क्षमताओं और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। ये औद्योगिक क्षेत्र निम्नलिखित शहरों में स्थित होंगे- पंजाब- राजपुरा-पटियाला, महाराष्ट्र- दिघी, उत्तराखंड- खुरपिया, केरल- पलक्कड़, उत्तर प्रदेश- आगरा और प्रयागराज, बिहार- गया, तेलंगाना- जहीराबाद, आंध्र प्रदेश- ओरवाकल और कोप्पर्थी, राजस्थान- जोधपुर-पाली।

वित्तीय समावेशन के लिए राष्ट्रीय मिशन-प्रधानमंत्री जन-धन योजना (PMJDY) ने सफलतापूर्वक एक दशक पूरा किया

दिल्ली (पीआईबी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 28 अगस्त 2014 को शुरू की गई प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) आज सफलतापूर्वक एक दशक पूरा कर रही है। पीएमजेडीवाई दुनिया का सबसे बड़ा वित्तीय समावेशन कार्यक्रम है। वित्त मंत्रालय अपने वित्तीय समावेशन प्रयासों के जरिये हाशिए के समुदायों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सहायता प्रदान करने का निरंतर प्रयास करता रहा है।

केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने इस अवसर पर अपने संदेश में कहा कि वित्तीय समावेशन एवं सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के लिए औपचारिक बैंकिंग सेवाओं तक सभी की आसान पहुंच आवश्यक है। यह गरीबों को आर्थिक मुख्यधारा में एकीकृत करता है और हाशिए के समुदायों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि बैंक खाते, लघु बचत योजनाएं, बीमा एवं ऋण सुविधा सहित तमाम सार्वभौमिक, सस्ती एवं औपचारिक वित्तीय सेवाएं प्रदान करते हुए पीएम जन-धन योजना ने पिछले एक दशक में देश के बैंकिंग एवं वित्तीय परिदृश्य को बदल दिया है। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि इस कार्यक्रम की सफलता इसी बात से परिलक्षित होती है कि जन-धन खाते खोलकर 53 करोड़ लोगों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली में शामिल किया जा चुका है। इन बैंक खातों में 2.3 लाख करोड़ रुपये जमा हुए है और इसके परिणामस्वरूप 36 करोड़ से अधिक निःशुल्क रुपे कार्ड जारी किए गए हैं जो 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा कवर भी प्रदान करते हैं। गौरतलब है कि यह खाता खोलने के लिए कोई शुल्क या रखरखाव शुल्क नहीं लिया जाता है और इसके लिए खाते में न्यूनतम शेष राशि को बनाए रखने की कोई जरूरत नहीं है। यह जानकर खुशी हो रही है कि 67 प्रतिशत खाते ग्रामीण अथवा कस्बाई क्षेत्रों में खोले गए हैं और 55 प्रतिशत खाते महिलाओं द्वारा खोले गए हैं। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि जन-धन, मोबाइल और आधार को लिंक करते हुए तैयार की गई सहमति आधारित पाइपलाइन वित्तीय समावेशन परिवेश के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभों में शामिल है। इसने सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के लाभों को पात्र लाभार्थियों के खाते में त्वरित, निर्बाध एवं पारदर्शी तरीके से हस्तांतरित करने में सक्षम बनाया है और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा दिया है।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 234 नए शहरों/कस्बों में निजी एफएम रेडियो शुरू करने को मंजूरी दी

इस कदम से मातृभाषा में स्थानीय कंटेंट को बढ़ावा मिलने और रोजगार के नए अवसर पैदा होने की संभावना है

कवर किए गए नए क्षेत्रों में कई आकांक्षी, वामपंथी उग्रवाद प्रभावित और सीमावर्ती क्षेत्र भी शामिल हैं

दिल्ली (पीआईबी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने निजी एफएम रेडियो चरण-3 नीति के अंतर्गत 234 नए शहरों में 730 चैनलों के लिए 784.87 करोड़ रुपये के अनुमानित आरक्षित मूल्य के साथ तीसरे बैच की आरोही (बढ़ती हुई बोली) ई-नीलामी करवाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

शहरों/कस्बों की राज्यवार सूची और नई नीलामी के लिए स्वीकृत निजी एफएम चैनलों की संख्या अनुलग्नक के रूप में यहां संलग्न है। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को छोड़कर एफएम चैनल के वार्षिक लाइसेंस शुल्क (एएलएफ) के रूप में सकल राजस्व का 4 प्रतिशत लेने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। ये 234 नए शहरों/कस्बों के लिए लागू होगा। 234 नए शहरों/कस्बों में निजी एफएम रेडियो की शुरुआत से उन शहरों/कस्बों में एफएम रेडियो की अधूरी मांग पूरी होगी, जो अभी भी निजी एफएम रेडियो प्रसारण से अछूते हैं और मातृभाषा में नए/स्थानीय कंटेंट पेश करेंगे। इससे नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे, स्थानीय बोली और संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा तथा 'वोकल फॉर लोकल' पहल को बढ़ावा मिलेगा। अनुमोदित किए गए ऐसे कई शहर/कस्बे आकांक्षी जिलों और वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में हैं। इन क्षेत्रों में निजी एफएम रेडियो की स्थापना से इन क्षेत्रों में सरकारी पहुंच और सुदृढ़ होगी।

स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों से स्वास्थ्य विभाग सकते में

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश के अन्य जिलों की तरह अब राजधानी में भी स्वाइन फ्लू मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। मंगलवार को स्वाइन फ्लू के 16 संदिग्ध मरीज मिले हैं। उनके स्वाब का सैंपल जांच के लिए भेजा गया है। अब तक रायपुर में 1 पॉजिटिव मरीज मिला है। राज्य में 19 केस दर्ज किए गए हैं। इस बीच मरीजों की बढ़ती संख्या देखकर अंबेडकर अस्पताल के पेइंग वार्ड को आइसोलेशन कर उसे स्वाइन फ्लू पीड़ितों के लिए रिजर्व कर दिया गया है। एक मरीज अभी भर्ती है। अस्पताल प्रशासन ने मेडिसिन और टीबी एंड चेस्ट विभाग को अलर्ट कर दिया है। फिलहाल सभी संदिग्ध मरीज टीबी एंड चेस्ट विभाग ही ट्रांसफर किए जा रहे हैं।

नगर निगम भाठागांव मैदान में शीघ्र बैडमिंटन कोर्ट विकसित करेगा

मार्ग के किनारे लैण्डस्केपिंग कर रामायण कालीन सभ्यता की कलाकृतियां लगायी जाएंगी

रायपुर (आरएनएस)। नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 6 के माध्यम से ऐतिहासिक रावणभाठा मैदान के समीप भाठागांव मैदान में बैडमिंटन कोर्ट विकसित करने का कार्य प्रगति पर है। वहां पहुंचकर नगर निगम आयुक्त अबिनाष मिश्रा ने अधिकारियों को शीघ्र बैडमिंटन कोर्ट विकसित करने का कार्य पूर्ण करवाने के निर्देष दिये। बैडमिंटन कोर्ट हेतु भवन का निर्माण लगभग पूर्णता की ओर अग्रसर है। बैडमिंटन कोर्ट विकसित होने से खिलाड़ियों को खेल एवं उसके अभ्यास की अच्छी सुविधा शीघ्र प्राप्त हो सकेगी। इस हेतु मैदान को समतलीकरण कर पेवर लगाने का कार्य शीघ्र उसे सुन्दर तरीके से विकसित करने के निर्देष दिये गये है।

आयुक्त अबिनाष मिश्रा ने भाठागांव मैदान के सामने मार्ग के किनारे चिन्हित स्थल का निरीक्षण किया। उक्त चिन्हित स्थल पर नगर निगम जोन 6 के माध्यम से शीघ्र लैण्ड स्केपिंग करके उसे सुन्दर स्वरूप देकर रामायण कालीन सभ्यता की कलाकृतियों को उकेरा जायेगा। इससे आमजनों को रामायण कालीन गौरवषाली सभ्यता की सहज जानकारी प्राप्त हो सकेगी। साथ ही वहां पूर्व में बार-बार होने वाले अवैध कब्जों पर भी कारगर अंकुष लगाया जा सकेगा। आयुक्त ने उक्त कार्य को प्राथमिकता से करवाने के निर्देष दिये है।

"आरंभ-2" के दो दिवसीय कैरियर काउंसलिंग शिविर का आयोजन आज से वृंदावन हॉल रायपुर में

रायपुर (विश्व परिवार)। पूज्य संत शिरोमणि समाधिस्थ आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज एवं आचार्य श्री समय सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद एवं शुभ भावना अनुरुप युवाओं को धर्म संस्कारों का बीजारोपण कराने एवं उनकी योग्यता पर आधारित कैरियर गाइडेंस उपलब्ध कराने हेतु श्री दिगंबर जैन समाज पंचायत सेवा समिति, शंकर नगर, रायपुर के तत्वावधान तथा ब्रहमचारी श्री सुनील भैया जी (डीजीएम बीएसएनएल) व कैरियर काउंसलर्स श्रीमती शिवली श्रीवास्तव एवं आद्याशा पटनायक की उपस्थिति व मार्गदर्शन में "आरंभ-2" का आयोजन किया जा रहा है।

इस आयोजन में मुख्य अतिथि श्रीमती रितु अमिताभ जैन एवं डॉ प्रणय जैन- डॉ शेफाली जैन रहेंगे साथी ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से (आई.ए.एस) श्री वासु जैन एवं (आई.पीए.स) श्रीमती अंशिका जैन (वीसी गेस्ट) के रूप में कार्यक्रम में जुड़ेंगे।

बच्चों एवं युवाओं की बहुमूल्य ऊर्जा को सही दिशा देने तथा छात्र-छात्राओं के जीवन की उलझनों को दूर करने के उद्देश्य से 13 वर्ष से 23 वर्ष के युवाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण APTITUDE GUIDANCE योग्यता के आधार पर उच्च शिक्षा के विषय चयन एवं उच्च शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात CAREER GUIDANCE का आयोजन किया जा रहा है।

जैन धर्म की मूलभूत अवधारणा को समझने, जीवनोपयोगी संस्कारों के आरोपण हेतु तथा संशय की स्थिति में उचित मार्गदर्शन प्राप्त करने हेतु इस शिविर का आयोजन बालक-बालिकाओं के लिए किया जा रहा है जिसमें आयु सीमा 13 वर्ष से 23 वर्ष तक के विद्यार्थियों के लिए दिनांक 29 अगस्त गुरुवार, 2024 को समय संध्या 6बजे से रात्रि 10 बजे तक कैरियर मार्गदर्शन का कार्यक्रम वृंदावन हॉल, सिविल लाइन्स, रायपुर मैं किया जाएगा तथा द्वितीय दिवस की काउंसलिंग कार्यशाला दिनांक 01 सितंबर 2024 दिन रविवार को श्री चंद्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर शंकर नगर रायपुर में की जाएगी।

"आरंभ-2" शिविर में भाग लेने हेतु गूगल फॉर्म का लिंक साथ में प्रेषित किया जा रहा है, जिसे प्रतिभागी बच्चों या अभिभावकों द्वारा भरकर शीघ्र ही रजिस्ट्रेशन करवाया जा सकता है। संपर्क सूत्र (अमित गोइल) 9424224257, (अजय जैन रेलवे) 9827847127, (माया जैन) 9131555087।

Google Form Link :-

https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSfHzJ-yu2hcs5qM2GDJu3q5Dk3lAwe54tqU0ELY1GrS966ttA/viewform?usp=sf_link

संक्षिप्त समाचार

प्राथमिक स्वास्थ केंद्र में चलाया गया पर्यावरण जागरूकता अभियान

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी राइ[पुर के प्राथमिक स्वास्थ केंद्र चंद खुरी में प्रशासनिक अधिकारी और डॉक्टर्स के सहयोग से स्टाफ और मरीजों को पर्यावरण की जागरूकता के लिए कपड़े की थैलियों का वितरण किया गया। बता कड़े की सभी ने इस कार्यक्रम में सहयोग दिया और कार्य को सराहा। इतने व्यस्त शेड्यूल में भी डॉक्टर मैडम और पेशेंट ने भी सहयोग करना बहुत बड़ी बात है।इसी तरह हम सब मिलकर प्लास्टिक मुक्त भारत बना सकेंगे। सभी का आभार। मेरे भतीजे मुकुंद बेडेकर का विशेष सहयोग रहा वहां के सरपंच जी भी उपस्थित रहे।

कृष्ण जन्माष्टमी में बच्चो एवं महिलाओं को किया सम्मान- सीसीआई

रायपुर (विश्व परिवार)। कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर स्टडी प्वाइंट एंड करियर कंप्यूटर इंस्टिट्यूट द्वारा बच्चों को बांटे स्टडी कीट एवं महिलाओ का किया सम्मान। श्रीमती कविता सेन द्वारा जानकारी देते हुए कहा है कि गुढ़ियारी विकास नगर में महिला शक्ति समूह द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कृष्ण जन्माष्टमी का कार्यक्रम बरे हर्ष उल्लास से मनाया गया। विभिन्न प्रकार के अलग अलग खेल खुद एव संस्कृति क्रार्यक्रम भी करवाये गए। इसके साथ ही स्टडी प्वाइंट के एंड कैरियर कंप्यूटर इंस्टीट्यूट के द्वारा महिला समूहो को श्रीफल, शॉल एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर महिलाओं का सम्मान किया गया एवं साथ ही हर बच्चों को स्टडी किट का वितरण किया गया। **-कविता सेन**

कलेक्टर ने विशेषीकृत दत्तक ग्रहण संस्थान का किया शुभारंभ

पुराना कलेक्टोरेट परिसर में होगा संचालित, दूसरे जिलों पर निर्भरता समाप्त

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। मिशन वात्सलय योजनांतर्गत राज्य स्तरीय परियोजना समिति से प्राप्त अनुमोदन एवं निर्णय अनुसार जिला मुख्यालय बलौदाबाजार में स्थित पुराना कलेक्टोरेट परिसर कक्ष कमांक 23 में विशेषीकृत दत्तक ग्रहण संस्थान का शुभारंभ कलेक्टर दीपक सोनी द्वारा फीता काट कर किया गया। कलेक्टर सोनी ने विशेषीकृत दत्तक ग्रहण संस्थान का समय सीमा भीतर प्रारंभ करने पर महिला एवं बाल विकास विभाग की पीठ थपथाई. श्री सोनी ने इस दौरान दत्तक ग्रहण एजेंसी की संचालन प्रक्रिया की जानकारी ली एवं उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया गया। परिसर में सी.सी.टीवी कैमरा सुविधा लगाने तथा अन्य आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए थे। विशेषीकृत दत्तक ग्रहण संस्थान के स्थायी संचालन हेतु नवीन स्थान तथा भवन चिन्हांकन हेतु सुझाव भी दिये गये। दत्तक ग्रहण एजेंसी के स्थापना से बच्चे को गोद लेने वाले अभिभावकों की प्रक्रिया जिले में संभव होगा एजेंसी खुलने से ऐसे नवजात शिशु जिन्हें जन्म के पश्चात् अवांछित मानकर कहीं फेंक देते है। अनाथ है एकल माता या पिता है, ऐसे बच्चों का संरक्षण इस संस्था में होगा तथा इन बच्चों को गोद देने से पूर्व माननीय न्यायालय से 60 दिवस के अंदर बच्चे को कानूनी रूप से मुक्त घोषित किया जाकर गोद की कार्यवाही पूर्ण होगी। विशेषीकृत दत्तक ग्रहण के प्रारंभ में होने से अब महासमुन्द एवं रायपुर जिले पर निर्भरता समाप्त हो जाएगी।

गिरदावरी में खेत के मेड़ की कटौती किसानों के साथ धोखा है : तेजराम विद्रोही

राजिम (विश्व परिवार)। खरीफ वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य में किसानों से धान खरीदी के लिए गिरदावरी की जा रही है जिसमें बोए गए फसल की रकबा का इंद्राज किया जाना है। राजस्व विभाग द्वारा रकबे में खेत की मेड़ की कटौती किये जाने का फरमान किसानों के साथ धोखा है सरकार को यह फरमान वापस लेना चाहिए। उक्त आशय की प्रेस विज्ञप्ति जारी कर भारतीय किसान यूनियन छत्तीसगढ़ के महासचिव तेजराम विद्रोही ने कहा कि खेती की जमीन पर मकान या सड़क निर्माण की हिस्से को गिरदावरी की रकबे से काटना उचित है परंतु मेड़ की कटौती करना सही नहीं है क्योंकि मेड़ के बिना किसानों का खेती हो नहीं सकता है। रकबे से मेड़ को काटने का मतलब है किसी व्यक्ति का वजन करने के पहले उसे वस्त्र हीन कर देना। इसलिए मेड़ का हिस्सा काटने की फरमान साय सरकार को वापस लेना चाहिए साथ ही इस वर्ष को उनके धान का समर्थन मूल्य 3217 रुपये प्रति क्विंटल मिलेगी इसकी घोषणा शीघ्र करना चाहिए क्योंकि छत्तीसगढ़ सरकार धान का 31000 रुपये प्रति क्विंटल दे रही है और और केंद्र सरकार ने धान पर 117 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि किया है जिसे जोड़कर देना चाहिए।

बिना अनुमति संचालित निजी चिकित्सा संस्थानों में स्वास्थ्य विभाग की दबिश, 12 को नोटिस

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर दीपक सोनी ने बिना किसी वैध अनुमति से जिले में संचालित निजी अस्पताल तथा डायग्नोस्टिक सेंटरों पर कार्रवाई के निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिए थे। इस कड़ी में आज कसडोल विकासखंड के 12 चिकित्सा संस्थानों में नर्सिंग होम एक्ट के प्रावधानों के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश कुमार अवस्थी के मार्गदर्शन में टीम ने दबिश देकर निरीक्षण किया साथ ही नोटिस देकर विधिवत अनुमति लेने की अंतिम चेतावनी दी गई है। सीएमएचओ ने बताया की जिले में इस प्रकार के बिना अनुमति के खोले गए संस्थानों के निरीक्षण हेतु टीम का गठन किया गया है। आज इस टीम द्वारा ही दबिश दी गई। परीक्षण के दौरान इन संस्थानों द्वारा बिना नर्सिंग होम एक्ट में पंजीयन संचालन करना पाया गया है। इसके लिए स्थान पर ही उन्हें नोटिस दिया गया। नोटिस में उल्लेख है की बिना अनुमति संस्था का संचालन करने पर प्रथम बार संचालक पर राज्य उपचर्या गृह तथा रोगोपचार सम्बंधी स्थापनाएँ अनुज्ञापन नियम 2010 के अध्याय एक के नियम 4 के अनुसार 20 हज़ार के जुर्माने का प्रावधान है। जबकि दूसरी बार ऐसा करते पाए जाने पर दोष सिद्ध होने पर 03 वर्ष का कारावास अथवा 50 हज़ार जुर्माना अथवा दोनों के भागी होंगे। जिन संस्थाओं की जांच की गई उसमें वर्मा पैथोलॉजी कटगी, गायत्री क्लीनिक कटगी, गुप्ता क्लीनिक कटगी, क्योर बे ई क्लीनिक कसडोल, रामगोपाल साहू लैब कसडोल, शर्मा मेटा पैथोलॉजी कसडोल, सिटी डेंटल केयर कसडोल, कबीर पैथोलोजी कसडोल, वासु पैथोलॉजी छांछी, ओम हेल्थ सेंटर छांछी, श्री रत्ना क्लीनिक कसडोल मानस पैथोलॉजी कसडोल शामिल है।

जशपुर के शांत वातावरण में आनंद ने एक कंकड फेंका है जिससे कला और संस्कृति के क्षेत्र में हलचल पैदा होगी : एस.पी. शशि मोहन

डॉ. आनंद के निर्देशन में भिखारी ठाकुर द्वारा लिखित नाटक गबरघिचोर का हुआ सफल मंचन।

जशपुर नगर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़िया क्लाउड असोसीओ कल्चरल ऑर्गनाइजेशन के द्वारा संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली के सहयोग से 30 दिवसीय प्रस्तुतिपरक नाट्य कार्यशाला का आयोजन विगत शनिवार को बरटोली स्थित सदभावना मंडल अटल अवास भवन में किया गया। कार्यशाला के समापन समारोह के अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों के साथ तैयार किए गए नाटक का मंचन हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि एसपी शशि मोहन सिंह रहे।कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती माता के चित्र पर पुष्प और माल्यार्पण, दीप प्रज्वलित के साथ हुई। डॉ. आनंद कुमार पांडेय, शंभू नाथ पांडे ने पुष्प से अतिथि का स्वागत किया। भिखारी ठाकुर द्वारा लिखित नाटक गबरघिचोर का सफल मंचन हुआ। मंचन पश्चात मुख्य अतिथि शशि मोहन सिंह के द्वारा अभिनेताओं और दर्शकों से मुखातिब होते हुए कहा कि जशपुर के शांत वातावरण में आनंद ने एक कंकड फेंका है जिससे कला और संस्कृति के क्षेत्र में हलचल पैदा होगी और इसका असर आगे जाकर देखने को मिलेगा। जशपुर में नाटक की यात्रा अभी शुरू हुई हैं आने वाले समय में यहां के बच्चें छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करेंगे।

इनका रहा योगदान : नाटक में आकर्ष उपाध्याय, रूपावति बाई, नेहा बाई, निर्मला, नीलू, साक्षी, ललिता, नैन्सी, अंचल, हिमांशु और अविनाश ने अभिनय किया। नाटक का निर्देशन डॉ. आनंद कुमार पाण्डेय ने किया, हिन्दी में अनुवाद डॉ. मुन्ना कुमार पाण्डेय ने किया है। 30 दिवसीय कार्यशाला में सभी को अभिनय, ध्वनि एवं संभाषण, रंगमंचीय खेल, श्वास, भाव, योग आदि का प्रशिक्षण देकर नाटक तैयार किया गया था।

जल्द नाट्य महोत्सव का होगा आयोजन : नाटक का आने वाले समय में और मंचन होगा, साथ ही संस्था के द्वारा कुछ महीनों के बाद नाट्य महोत्सव का आयोजन भी किया जाएगा जिसमें राष्ट्रीय स्तर के समूह को प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया जाएगा। कार्यशाला और नाट्य प्रस्तुति में जिला प्रशासन व दर्शकों का सहयोग रहा, संस्था की ओर से डॉ. आनंद कुमार पाण्डेय ने सभी को धन्यवाद दिया।

एसआरयु में भारतीय प्रवासन, प्रवास और विकास विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का शुभारम्भ

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ ने इंडियन डायस्पोरा, माइग्रेशन एंड डेवलपमेंट: अ मल्टीफेसेटेड विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का सफल उद्घाटन हुआ। यह वेबिनार 20 अगस्त, 2024 से प्रारंभ होकर क्रमश: तीन दिनों तक चलेगा। इस महत्वपूर्ण आयोजन को ऑनलाइन गूगल मीट के माध्यम से आयोजित किया गया, यह वेबिनार को भूगोल विभाग और पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है।

वेबिनार का उद्घाटन कुलपति प्रो. एस.के. सिंह, रजिस्ट्रार डॉ. सौरभ कुमार शर्मा और कला संकायाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) मनीष के. पाण्डेय द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में केएनओएमएडी और आईआईएमएडी के संस्थापक अध्यक्ष; सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज (सीडीएस), केरल के पूर्व प्रोफेसर प्रो. एस. इरुदया राजन, और विशिष्ट अतिथि एवं की नोट स्पीकर सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात, गांधीनगर, गुजरात के प्रवासी अध्ययन केंद्र के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) नरेश कुमार भी शामिल थे। वेबिनार की समन्वयक डॉ. सुनीता सोनवानी और डॉ. संतोष कुमार ने देशभर से विद्वानों, विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं के विविध समूह को एक मंच पर साथ लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. संतोष ने विषय प्रवेश कराते हुये बताया कि भारतीय प्रवासी, प्रवास और विकास के विभिन्न आयामों का अध्ययन करते हुए लगभग 100 उच्च गुणवत्ता वाले शोध पत्र प्राप्त हुए हैं, जो इन विषयों की गहन समझ में सहायता करेंगे। इस वेबिनार में लगभग 150 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। प्रो. राजन ने अपने मुख्य भाषण में भारतीय प्रवासन के उस व्यापक संभावित क्षेत्र के बारे में बताया, जो अभी भी काफी हद तक अनछुआ है। उन्होंने भारत के विकास के लिए प्रवासी क्षमताओं का बेहतर उपयोग करने के लिए प्रवासी फैलोशिप जैसी योजनाओं की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि भारतीय प्रवासी बहुत व्यापक और प्रभावशाली क्षेत्र है, लेकिन इस समुदाय को और अधिक प्रभावी ढंग से शामिल करने के लिए अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

प्रो. (डॉ.) नरेश कुमार ने अपने संबोधन में भारतीय प्रवासी और संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के मध्य संबंधों को बताते हुये प्रवास के वैश्विक प्रभावों पर चर्चा की और इस बात की तरफ ध्यान आकर्षित किया कि विशेष रूप से गुजरात में प्रवासी समुदायों ने स्थानीय और वैश्विक विकास दोनों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। डॉ. कुमार की अंतर्दृष्टियों ने यह समझने में मदद की कि प्रवासन के विभिन्न पैटर्न कैसे व्यापक व सतत विकास के लक्ष्यों में योगदान करते हैं।

कुलपति, प्रो. एस.के. सिंह ने भारत के विकास में प्रवासी समुदाय के योगदान का एक गहन अवलोकन प्रस्तुत किया। उन्होंने आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रवासी समुदाय की संभावनाओं को पहचानने और उनका लाभ उठाने के महत्व को रेखांकित किया। रजिस्ट्रार, डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने आगे प्रवासी समुदाय के महत्व पर विस्तार से चर्चा की, और राष्ट्रीय विकास प्रयासों में भारतीय प्रवासन को शामिल करने के लिए एक रणनीतिक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया।

इस वेबिनार ने प्रतिभागियों को वैश्विक विकास में भारतीय प्रवासी के विविध योगदानों पर विद्वतापूर्ण चर्चाओं में भाग लेने के लिए एक मंच प्रदान किया। विषयों में प्रवासी समुदायों के सांस्कृतिक संरक्षण के प्रयासों से लेकर रेमिटेंस के आर्थिक प्रभाव तक शामिल थे। चर्चाओं ने प्रवासी के योगदान की बहुआयामी प्रकृति और इस क्षेत्र में निरंतर शोध और भागीदारी की आवश्यकता को रेखांकित किया। उद्घाटन सत्र के समापन पर कला संकायाध्यक्ष डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय ने सभी प्रतिभागियों, वक्ताओं, विश्वविद्यालय के नेतृत्व और वेबिनार को सफल बनाने सहयोग देने वाले कर्मचारियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./12742/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 16-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12742
वार्ड का नाम- 27 - इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR220C00196** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **DAMYANTI PHITHALIYA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. KISHOR CHAND PHITHALIYA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री सृजन सेठ** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता- श्री शिवकुमार सेठ** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राज.परि., नवा रायपुर
प्रथम एवं पंचम तल व्यवसायिक परिसर (दक्षिण पूर्व कार्नर) सेक्टर-27, नवा रायपुर, अटल नगर
फोन नं.-0771-4016094 E-mail ID:- em_zone2@yahoo.com

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किय जाता है, कि निम्नांकित हितग्राहियों को लीज में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा आबंटित है, उस स्वतंत्र भवन को फ्री-होल्ड के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिनका फ्री-होल्ड संपरिवर्तन किया जाना है।

अत: आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के अंदर कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में कार्यालयीन दिवस में प्रस्तुत करें ।

क्रमांक	आबंटी का नाम	पिता/पति का नाम	भवन क्रमांक	योजना का नाम
1.	श्रीमती रूकशाना बानो	स्व. श्री आदाम	एल.आई.जी. 50	दीनदयाल आवास योजना आरंग
2.	श्री मोहम्मद ईस्लामुद्दीन भाटी	स्व. श्री सफी भाटी	एल.आई.जी. 49	दीनदयाल आवास योजना आरंग
3.	श्री मोहम्मद अलताब भाटी	श्री मोहम्मद असलम	एल.आई.जी. 240	दीनदयाल आवास योजना आरंग
4.	सुश्री नूरजहां बानों	श्री ईस्लामुद्दीन भाटी	एल.आई.जी. 327	दीनदयाल आवास योजना आरंग
5.	श्री मोहम्मद एजाज	श्री मोहम्मद याकुब	ई.डब्ल्यू.एस. 349	दीनदयाल आवास योजना आरंग
6.	श्रीमती शकुन टण्डन	श्री लोकेश टण्डन	ई.डब्ल्यू.एस. 85	दीनदयाल आवास योजना बेलभाठा अभनपुर
7.	श्री जय सिंह साहू	श्री बोन्दरू साहू	ई.डब्ल्यू.एस. 160	दीनदयाल आवास योजना गातापार अभनपुर
8.	श्री कमलेश देढिया	स्व. श्री कांतिलाल देढिया	ई.डब्ल्यू.एस. 326	दीनदयाल आवास योजना गातापार अभनपुर

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना
नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./13105/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 25-07-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13105
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107J00079** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती ... पिता/पति, श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. PRADEEP VERMA 2. TIKENDRA VERMA 3. PREMIN BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती ... ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंतीकृत वसीयतनामा**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /14105/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 28-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14105
वार्ड का नाम- 01 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 01 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR810J00110** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAM BHAVAN CHAUHAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HIRDAYRAM CHAUHAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MANJU SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ARUN SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हलदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 389 दिनांक 27.08.2024
वार्ड का नाम- मो. अब्दुल रउफ वार्ड
वार्ड क्र. 28 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **28** मांग **पंजी क्र. 290 युआईडी 25968** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **सारिका मेमन, शाहीद मेमन,/हाजी अब्दुल रशीद** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **डागेश्वर प्रसाद साहू/रतन लाल साहू** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **26-09-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 390 दिनांक 27.08.2024
वार्ड का नाम- जवाहर लाल नेहरू वार्ड
वार्ड क्र. 36 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **36** मांग **पंजी क्र. 472 युआईडी 29920** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **केशव यादव/ फकीरा यादव** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **ममता देवी/रंजीत कुमार झा** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **26-09-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राज. परि., नवा रायपुर
प्रथम एवं पंचम तल व्यवसायिक परिसर (दक्षिण पूर्व कार्नर) सेक्टर-27 नवा रायपुर, अटल नगर
फोन नं.-0771-4016094
E-mail id:- em_zone2@yahoo.com

// आम-सूचना //

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा दीनदयाल आवास योजना **गातापार, रायपुर में निर्मित स्वतंत्र भवन एल.आई.जी. क्रमांक-126, श्रीमति देहुति कोठारी पति श्री कमलेश कोठारी,** के नाम पर इस कार्यालय के आबंटन आदेश क्रमांक **2387** दिनांक **14.03.2011** के माध्यम से आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में दिनांक **22.08.2014** को लीज डीड पंजीकृत उपरांत दिनांक **11.06.2024** को हस्तांतरण विलेख (फ्री-होल्ड) निष्पादित करा लिया गया है। हस्तांतरण-विलेख निष्पादन उपरांत उक्त भवन को **श्री बिन्देश्वर दीनानाथ झा पिता श्री दीनानाथ झा, निवासी:- सतलखा रहिका बाध, वार्ड नं.-07, सतलखा, पो. हुसैनपुर, मधुबनी, बिहार,** के पक्ष में दिनांक 12.08.2024 को विक्रय-विलेख के माध्यम से विक्रय कर दिया गया है। क्रेता **श्री बिन्देश्वर दीनानाथ झा पिता श्री दीनानाथ झा**, द्वारा उक्त भवन को फी-होल्ड पश्चात् अपने नाम पर मण्डल के अभिलेखों में दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त भवन का फी-होल्ड उपरांत मण्डल के अभिलेखों में नाम दर्ज करने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना
नवा रायपुर, अटल नगर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./12101/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 27-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12101
वार्ड का नाम-47-सिविल लाईन वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 47 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR342D00576** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. M L DEVELOPERS PARTNER SHRI SANTOSH LOHANA S/O LATE. SHRI ASHOK LOHANA 2. SHRI MUKESH KUMAR DODAI S/O SHRI BRIJ LAL DODAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. LATE. SHRI ASHOK LOHANA 2. SHRI MUKESH KUMAR DODAI S/O SHRI BRIJ LAL DODAI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **मुकेश कुमार डोडाई** पिता/पति, श्री/श्रीमती **बृज लाल डोडाई** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./14127/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 28-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14127
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR223L0068A** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SHASHIKANT RATHORE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O RATILAL RATHORE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. श्री मनीष कुमार दरिरा - पिता श्री रमेश दरिरा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **2. श्रीमती राशि दरिरा - पति श्री मनीष कुमार दरिरा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./13947/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 27-08-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13947
वार्ड का नाम-10- रानी लक्ष्मी बाई वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 10 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227R00159** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SITA BAI SAHU** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O KISAN SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती सलमा बेगम** पिता/पति श्री/श्रीमती **पति - श्री मोहम्मद शौकत अली** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर गुरूवार 29 अगस्त 2024

जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन हुए शामिल

बरसाए फूल, भगवान श्रीकृष्ण को पालने पर झुलाया

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिले में कृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग और श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने शहर के विभिन्न मंदिरों में आयोजित श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के कार्यक्रम मे शामिल हुए। इस अवसर पर पुरानी बस्ती कोरबा स्थित रानी रोड दुर्गा मन्दिर से श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर स्थानीय वार्ड वासियों द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई, इस शोभायात्रा में कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन शामिल हुए। कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने श्रीकृष्ण की आरती की। वार्ड वासियों के साथ कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने श्रीकृष्ण झांकी पर फूलों की वर्षा की। इस अवसर पर उन्होंने वार्डवासियों और समिति को जन्माष्टमी की बधाई देते हुए कहा कि सनातन परंपरा में आस्था रखने वालों के लिए श्रीकृष्ण प्रेरणा स्रोत हैं। गीता के माध्यम से श्रीकृष्ण ने धर्म के मार्ग पर चलने का उपदेश दिया और सभी को साथ में लेकर कैसे चला जाता है इसे उन्होंने सिखाया भी है। आज हम सभी को श्रीकृष्ण के बताएं मार्ग पर चलना चाहिए। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन के साथ भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, वार्ड क्रमांक 16 के पार्षद नरेंद्र देवांगन, पार्षद धनश्री साहू, राकेश नागरमल, लक्ष्मण श्रीवास व समिति के सदस्य विशाल साहू, अंशु तिवारी, जयंत श्रीवास, वीरेंद्र साहू, राहुल तंवर सहित वार्डवासी उपस्थित रहे। इसके बाद अंचल के सीतामणी क्षेत्र में स्थित श्री सप्तदेव मंदिर में वाणिज्य, उद्योग और श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन पहुंचे। जहां कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर बनाए गए विभिन्न झांकियों के साथ-साथ भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन किये। श्रीकृष्ण की जीवंत मनमोहक झांकी देख कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन भाव विभोर हो गए। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण को भोग लगाकर आरती की। इस अवसर पर अशोक मोदी, राजा मोदी, गौरव मोदी, वैभव शर्मा सहित अनेक भक्तगण उपस्थित रहे।

जेल भरो आंदोलन: जिले में युकांईयो ने दी गिरफ्तारी

कोरबा। जिला युवा कांग्रेस ग्रामीण के तत्वाधान में जिला में जेल भरो आंदोलन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में युकाइयों ने गिरफ्तारी दी उन्हें अस्थाई जेल में रखा गया। बलौदा बाजार मामले में भिलाई विधायक देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदेश भर के जिले में जेल भरो आंदोलन किया गया। इसी कड़ी में कोरबा जिले में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जेल भरो आंदोलन किया। युवा कांग्रेस के आंदोलन को लेकर पुलिस पहले से मुस्तैद रही। बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओ ने जेल भरो आंदोलन को लेकर गिरफ्तारी दी और मैं भी देवेंद्र का पोस्टर और सरकार की नीतियों से नाराजगी के नारे के बीच प्रदेश सरकार को कोसा। कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर अस्थाई रूप से बने जेल में रखा। इस दौरान युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष विकास सिंह, मधुसूदन दास ने कहा कि हम सभी देवेंद्र यादव के साथ हैं, सरकार को उन्हें निशर्त छोड़ना होगा, यह आंदोलन प्रदेश भर मे चलाया जाएगा। जेल भरो आंदोलन सहित बड़ी संख्या में जिले भर के युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सहजाद आलम, निक्कू कुकरेजा, आशीष गुप्ता किसन कुमार सहित अनेक युवा कांग्रेसी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय राजमार्ग को सुधारने आंदोलन की बनी रणनीति

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिलान्तर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग उरगा-चांपा फेरलेन सड़क की खराब हालत को लेकर आंदोलन की अब रणनीति बनने लगी है। बताया जा रहा हैं की ग्राम बरपाली से इसकी शुरुआत की जाएगी। जिला पंचायत सदस्य गोदावरी राठौर ने कहा कि श्रद्धालु मड़वारानी मंदिर दर्शन नहीं कर पा रहे हैं। इसके बाद भी संबंधित विभाग, संबंधित अधिकारी और ठेका कंपनी सड़क की मरम्मत पर ध्यान नहीं दे रहा है। राजमार्ग की सड़क अभी अधूरी है, लेकिन अधिकारियों और ठेकेदार की लापरवाही के कारण लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। जानकारी के अनुसार कोरबा-चांपा मार्ग अंतर्गत ग्राम बरपाली, उरगा और मड़वारानी के पास सड़क सबसे अधिक खराब है। जिला पंचायत सदस्य गोदावरी राठौर का कहना है कि ठेका कंपनी ने मड़वारानी के पास सर्विस रोड बनाया है। उसकी गुणवत्ता खराब होने से पूरी तरह उखड़ गई है। सड़क किनारे मंदिर तक जाने श्रद्धालुओं को कीचड़ से होकर जाना पड़ता है। बरपाली में तो हादसे भी हो रहे हैं। यहां क्षेत्र के लोग बैंक, तहसील के काम से जाते हैं। कई बाइक सवार दुर्घटना का शिकार हो चुके हैं। सड़क में इतने बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं कि पूरी बाइक ही समा जाती है। इसके बाद भी प्रशासन की नींद नहीं खुल रही है। इस वजह से आंदोलन में क्षेत्र के लोगों के साथ जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे। रामपुर विधायक फूल सिंह राठिया भी इसे लेकर अपनी नाराजगी जता चुके हैं। उन्होंने चक्काजाम आंदोलन की चेतावनी दी है। उनके समर्थक अब गांव-गांव जाकर लोगों का समर्थन जुटाने में लगे हैं।

पांडव पटेल ने मरीजों की सेवा कर मनाई जन्माष्टमी

रायगढ़(विश्व परिवार),। शहर से लगे ग्राम नेतनागर के युवा नेता, कलाकार व समाजसेवी पांडव पटेल अपने सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यों की वजह से क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाने में कामयाब हुए हैं। वे हर समय दीन-दुखियों व जरूरतमंदों की सेवा में तत्पर रहते हैं। एक बेहतरीन कलाकार के साथ वे अच्छे इंसान भी हैं। ग्रआमीण परिवेश में पले-बढ़े युवा नेता पांडव पटेल तीज-त्यौहारों को भी अलग अंदाज में मनाते हैं। रक्षाबंधन त्यौहार पर वे वृद्धाश्रम पहुंच गए थे और वहां रह रहीं बुजुर्ग महिलाओं के हाथों राखी बंधाकर उनसे आशीर्वाद लिया था। इसी तरह श्री पटेल भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव भी अनोखे तरीके से मनाने का निर्णय लिया और रूपेंद्र पटेल हास्पिटल पहुंच गए। उन्होंने कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में अस्पताल में भर्ती मरीजों को सेव वितरण कर उनकी सेवा की। उनका कहना है कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। हर किसी को जरूरतमंदों व गरीबों की सेवा करना चाहिए। इससे असीम शांति की अनुभूति मिलती है।

पतरापाली में पकड़ी गई शराब

कोरबा(विश्व परिवार)। कटघोरा क्षेत्र का पतरापाली गांव अवैध महुआ शराब बनाने और बेचने के लिए चर्चित है। लेकिन पुलिस व आबकारी विभाग के लिए गांव में कार्रवाई करना मुश्किल था। क्योंकि टीमों के पहुंचते ही ग्रामीण एकजूट होकर विरोध में उतर जाते थे, जिससे टीम को बैरंग लौटना पड़ता था। अवैध शराब के खिलाफजारी अभियान के तहत आबकारी विभाग के सहायक आयुक्त सौरभ बक्शी ने मातहत अधिकारियों को पतरापाली गांव में प्रभावी कार्रवाई का निर्देश दिया था। ऐसे में अधिकारियों के सामने चुनौती थी। इसके लिए सहायक जिला आबकारी अधिकारी रमेश अग्रवाल के नेतृत्व में उपनिरीक्षक क्रमश: आशीष उप्पल, मुकेश पाण्डेय, दीपमाला नागदेव, नारायण सिंह कंवर, जया मेहर, विजीता भगत की संयुक्त टीम बनाई गई। जिसमें प्रमुख रूप से मुख्य आरक्षक अजय तिवारी, राजीव जायसवाल, संजय गुप्ता, आरक्षक दशराम सिदार, शिवकुमार वैष्णव, सिमोन मिंज, हेमप्रकाश डनसेनाव शरीफ खान को शामिल किया गया। टीम ने पहले गांव में छद्मक्रेता भेजकर अवैध शराब बेचने वाले 8 लोगों की पहचान की। फिर शुक्रवार को वहां छापा मारा गया। जहां सुनीता पति पत्थर सिंह, सुमित्रा पति जगन्नाथ, मोहितराम पिता जगसाय, चंद्रिका पिता मोतीलाल, चरणकुंवर पति अमरिका, सुशीला पति अशोक, सुशीला पति कन्हैया, प्रताप पिता जगन्नाथ को पकड़ा गया। उनके पास से कुल 161.3 लीटर शराब और 1हजार किलो महुआ लाहन बरामद किया गया। आरोपियो के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण बनाया गया। मामले में गिरफ्तार करके उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। जहां से न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। आबकारी विभाग के एक अधिकारी के मुताबिक सामान्य दिनों में पतरापाली गांव में कार्रवाई करना आसान नहीं था। इसलिए पहले वहां अवैध शराब बनाने व बिक्री की तस्दीक की गई। इसके बाद गुरुवार को मोबाइल पर वेदर सर्च किया गया। जिसमें कटघोरा क्षेत्र में शुक्रवार की सुबह भारी बारिश दिखाया गया। जिसके आधार पर जिलेभर की आबकारी विभाग की टीम को शुक्रवार की तड़के 5 बजे एक साथ बुलाया गया। बल के साथ अधिकारियों की टीम सुबह 6 बजे गांव में घुस गई।

पात्र हितग्राही जाति प्रमाण पत्र बनाने से न चूकें-कलेक्टर

कलेक्टर अजीत ने समय-सीमा की बैठक में विभागीय कामकाज की समीक्षा की

कोरबा(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने आज समय सीमा की बैठक में विभागीय कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने 31 अगस्त को आयोजित होने वाले ग्रामसभा का व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश देते हुए कहा कि ग्राम सभा के माध्यम से जिले के ऐसे सभी पात्र व्यक्तियों जिनका दस्तावेज के अभाव से जाति प्रमाण पत्र नहीं बन पा रहा है, उन सभी का ग्राम सभा के माध्यम से अन्य दस्तावेजों का परीक्षण करते हुए जाति प्रमाण पत्र बनाने की दिशा में कार्यवाही की जाये। कलेक्टर ने ग्रामसभा के माध्यम से पात्र सभी विशेष पिछड़ी जनजाति परिवार के सदस्यों और दस्तावेज नहीं रखने वाले कक्षा पहली से कक्षा बारहवीं तक के विद्यार्थियों का जाति प्रमाण पत्र बनाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने डीएमएफ से आश्रम-छात्रावास तक पहुंच मार्ग, शेडविहीन बाजारों में शेड, सभी हाईस्कूल, हायर सेकेण्डरी स्कूलों में सायकल स्टैंड और सभी सहकारी समितियों में गोदाम निर्माण के प्रस्ताव भेजने के निर्देश सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग, जिला शिक्षा अधिकारी, जनपद सीईओ को दिए। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में कलेक्टर श्री वसंत ने पीएम जनमन अन्तर्गत लगाये जा रहे शिविर की समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि पीवीटीजी को शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं से लाभान्वित किया जाये। पीवीटीजी के सभी सदस्यों का आधार और आयुष्मान कार्ड बनाया जाये। उन्होंने किसान सम्मान निधि, पीएम आवास, वन अधिकार पत्र, जाति प्रमाण पत्र, बैंक खाता आदि का शत प्रतिशत सेचुरेशन के निर्देश दिए। टी एल बैठक में कलेक्टर ने भू-अर्जन, जाति प्रमाण पत्र हेतु शिविर, छात्रावासों तक पहुंच मार्ग, शेड विहीन बाजारों की जानकारी, हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में सायकल स्टैंड, आश्रमों में अधीक्षकों की नियुक्ति, लैब ऑन व्हील, विद्यालयों में युक्तियुक्तकरण, खेल अकादमी का संचालन, ग्राम पंचायतों में सिलाई मशीन का वितरण सहित अन्य विषयों पर समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि शासकीय कार्य के लिए सरपंच, सचिवों को दी गई राशि के विरूद्ध कार्य नहीं होने पर वसूली की कार्यवाही में प्रगति लायें।

बिलासपुर से मुंबई और बिलासपुर से हैदराबाद फ्लाइट हो सकती है शुरू

बिलासपुर(विश्व परिवार)। न्यायधानी के लोगों के लिए एक अच्छी खबर है. खबर ये है कि जल्द ही बिलासपुर से मुंबई और हैदराबाद के लिए नई फ्लाइट शुरू होने की संभावना है. सूत्रों के मुताबिक इसके लिए एलाइंस एयर कंपनी ने अपनी तैयारी कर ली है. इसके लिए कराए गए सर्वे में भी कंपनी को मुंबई और हैदराबाद के लिए काफी संख्या में यात्री मिलने की उम्मीद है. एलाइंस एयर कंपनी द्वारा बिलासपुर से संचालित सभी हवाई सेवा को मिल रहे अच्छे प्रतिसाद से उत्साहित होकर बिलासपुर से मुंबई और हैदराबाद मार्ग पर नई उड़ान प्रारंभ करने की संभावना को टटोला गया था. उक्त रूट में पर्याप्त संख्या में यात्री मिलने की पूरी संभवाना है. इसलिए एलाइंस एयर कंपनी के द्वारा किए गए आकलन में मुंबई से जलगांव चल रही उड़ान को बिलासपुर तक बढ़ाने और हैदराबाद-जगदलपुर-रायपुर उड़ान के रायपुर स्टॉपेज समाप्त हो जाने के कारण उसे बिलासपुर लाने के बारे में अच्छी रिपोर्ट आई है. हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने उक्त संबंध में मीडिया को बताया कि एलाइंस एयर कंपनी द्वारा रायपुर में अपना सेटअप पूरी तरह समाप्त कर लिया है. इसके बाद जो उड़ान हैदराबाद से जगदलपुर होकर रायपुर तक चल रही थी. वह अब रायपुर आना बंद कर रही है. ऐसे में कंपनी को राज्य के दूसरे प्रमुख शहर बिलासपुर में अच्छी संभावनाएं दिखाई पड़ रही है. इसलिए बिलासपुर को अपने प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करना चाहती है.

अज्ञात व्यक्ति ने चाकू से किया हमला

कोरबा(विश्व परिवार)। अप्रत्याशित घटनाक्रम में एक अज्ञात व्यक्ति ने हाथ मिलाया और गले लगाने के बाद कान को काटकर अलग कर दिया। फिर चाकू से हमला करने का प्रयास किया। पीड़ित राजेन्द्र कुमार पटेल पिता स्व. धनसाय पटेल उम्र 23 वर्ष मानिकपुर का निवासी है। 24 अगस्त को रात 9:15 बजे वह और उसका दोस्त राकेश पटेल आई.टी.आई. चौक मछली दुकान के पास थे। इसी समय एक अज्ञात व्यक्ति आया और पूछा कि तुम्हारा नाम राजेन्द्र पटेल है क्या? हां बोलने पर उसने राजेन्द्र से हाथ मिलाया और गले मिला, गले मिलते ही वह व्यक्ति राजेन्द्र के बायां कान को जोर से दांत से काटकर अलग कर दिया, दर्द से बिलबिलाते राजेन्द्र को बहुत दोस्ती निभाता है, कहकर अपने पास रखे चाकू से चेहरे पर हमला किया तब वहां से जान बचाकर राजेन्द्र भाग निकला। घटना को राकेश पटेल ने देखा एवं बीच बचाव किया। घायल राजेन्द्र तुरंत उपचार हेतु जिला चिकित्सालय गया। राजेन्द्र पटेल ने घटना के बारे में जब अपने दोस्त प्रेम चौहान को बताया, तब पता चला कि उसकी (राजेन्द्र की) बहन रितिका ने अपनी सहेली रिंकी तिवारी को अपने घर पर रखा है। रिंकी का पति 23 अगस्त को ही दोपहर 3 बजे रिंकी तिवारी एवं बच्चों को मार-पीटकर निहारिका में छोड़ दिया था। तब रिंकी तिवारी ने रितिका को फोन कर रहने के लिए मदद मांगी। रिंकी तिवारी का पति गजेन्द्र तिवारी तुम पर हमला किया है। इधर गजेन्द्र तिवारी द्वारा इस तरह अचानक हमला कर दिए जाने के कारण राजेन्द्र अत्यधिक डरा-सहमा है कि गजेन्द्र तिवारी कभी भी जान से मार सकता है। फिलहाल राजेन्द्र कुमार की रिपोर्ट पर सिविल लाइन थाना में गजेन्द्र तिवारी के विरुद्ध धारा 118(1)-बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया गया है।

कलेक्टर अजीत वसंत ने जिला स्तरीय पोषण समिति की ली बैठक

कोरबा(विश्व परिवार)। भारत सरकार द्वारा सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0 योजनांतर्गत 01 सितम्बर से 30 सितम्बर 2024 तक जिला/विकासखण्ड, ग्राम स्तर एवं प्रत्येक केन्द्र स्तर पर ''राष्ट्रीय पोषण माह'' का आयोजन किया जाना है। इस हेतु जिले में जनसमुदाय तक स्वास्थ्य पोषण एवं स्वच्छता संबंधित व्यापक प्रचार एवं प्रभावी व्यवहार परिवर्तन हेतु जन आंदोलन के रूप में ''राष्ट्रीय पोषण माह'' मनाया जाएगा। पोषण माह हेतु शासन द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग व सहयोगी समस्त विभागों द्वारा 01 सितम्बर 2024 से 30 सितम्बर 2024 तक प्रतिदिन आयोजित किए जाने वाले गतिविधियों हेतु कैलेण्डर तैयार किया गया है। इनमें मुख्य रूप से एनीमिया, वृद्धि निगरानी, पूरक आहार, पोषण भी पढ़ाई भी, बेहतर प्रशासन, पारदर्शिता और कुशल सेवा वितरण के लिए प्रौद्योगिकी, समग्र पोषण थीम पर आयोजित गतिविधियां शामिल करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही जिले में 09 सितंबर से 17 सितंबर तक वजन त्यौहार मनाया जाएगा। वजन त्यौहार के लिए सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। पोषण माह के प्रभावी सुचारू एवं परिणाम मूलक गतिविधियों के आयोजन में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों, स्थानीय निकाय के प्रतिनिधि, सहयोगी विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों की सक्रिय भागीदारी, महिला स्व-सहायता समूहों, महिला मण्डली, नेहरू युवा केन्द्र, नेशनल कैडेट कोर, राष्ट्रीय सेवा योजना आदि की सक्रिय भागीदारी लिया जाएगा। इस हेतु कलेक्टर श्री अजीत वसंत द्वारा जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक ली गई व समस्त विभागों को निर्धारित कैलेण्डर अनुसार गतिविधियां आयोजित कर पोषण माह मनाने व जन-जन तक संदेश पहुंचाने हेतु निर्देशित किया गया है।

स्वच्छता दीदियां कचरे का निस्तारण कर गांव को स्वच्छ रखने में दे रही हैं, महत्वपूर्ण योगदान

सूरजपुर(विश्व परिवार)। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) ,मनरेगा और 15 वे वित्त के अभिसरण से बने सेग्रीगेशन शेड ने जिले के जनपद पंचायत भैयाथान के ग्राम पंचायत अनरोखा की सूरत बदल दी है। इस ग्राम पंचायत में 20 वार्ड है जिसकी जनसंख्या लगभग 1975 है। जहां की 'स्वच्छता दीदियां' कचरे का निस्तारण कर गांव की सड़कों, गलियों और चौक-चौराहों को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। खुले में शौचमुक्त गांव बनने के बाद अब अनरोखा प्लास्टिक एवं कूड़ा-करकट मुक्त ग्राम पंचायत भी बन गया है। सड़कों, गलियों और चौक-चौराहों पर फेंके जाने वाले कचरे को वहां की स्वसहायता समूह की महिलाओं ने अतिरिक्त कमाई का जरिया बनाया है। पिछले छह माह से इस समूह के द्वारा ग्राम में कचरे के निस्तारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है। डोर टू डोर, दुकानों, संस्थानों से कचरा संग्रहण तथा अलग-अलग कर निस्तारित करने का काम इन महिलाओं के लिए सहज-सरल नहीं था। शुरुआत में जब वे रिक्शा लेकर कचरा संकलन के लिए घर-घर जाती थीं, तो लोग उन्हें ऐसे देखते थे जैसे वे कोई खराब काम कर रही हों। लोगों की हिकारत भरी नजरों के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और ग्राम पंचायत के सहयोग से इस काम को जारी रखा। इनके काम से गांव लगातार साफ-सुथरा होते गया, तो लोगों का नजरिया भी बदलने लगा। अब गांव वाले इन्हें सम्मान के साथ 'स्वच्छता दीदी' कहकर पुकारते हैं। अनरोखा के वन्दना महिला स्व सहायता समूह की महिलाएं सफाई मित्र के रूप में घर-घर जाकर कचरा संकलित करती हैं। सेग्रीगेशन शेड यानी ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन केन्द्र में वे संकलित कचरा में से उनकी प्रकृति के हिसाब से उन्हें अलग-अलग करती हैं। कूड़े-कचरे के रूप में प्राप्त पॉलीथिन, खाद्य सामग्रियों के पैकिंग रैपर, प्लास्टिक के सामान, लोहे का कबाड़ एवं कांच जैसे ठोस अपशिष्टों को अलग-अलग करने के बाद कबाड़ी वालो को बेच दिया जाता है।

डीजे बंद कराने गई पुलिस पर हमला, तीन गिरफ्तार

बिलासपुर(विश्व परिवार)। न्यायधानी बिलासपुर में बदमाशों के हौसले इस कदर बुलंद हो गए हैं कि अब उन्हें पुलिस का भी खौफ नहीं रहा है। सोमवार रात रतनपुर थाना क्षेत्र में डीजे बंद कराने पहुंची पुलिस टीम पर नशेड़ियों ने हमला कर दिया। इस हमले में पुलिसकर्मियों की बेदम पिटाई की गई और उनकी गाड़ियों में तोड़फोड़ भी की गई। घटना सोमवार रात की है, जब जन्माष्टमी पर्व की धूम के बीच रतनपुर थाना क्षेत्र के गांधीनगर में डीजे बजाया जा रहा था। रात 11 बजे के बाद भी डीजे बंद नहीं होने पर पेट्रोलिंग पार्टी के चार पुलिसकर्मी वहां पहुंचे और डीजे बंद करने की समझाइश दी। लेकिन आयोजन समिति के सदस्यों ने इसका विरोध किया और पुलिसकर्मियों पर रोक-टोक करने का आरोप लगाया। मौके पर मौजूद नशे में धुत युवकों ने पुलिसकर्मियों से बहस शुरू कर दी, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। आरोपियों ने पुलिसकर्मियों के मोबाइल छीनने की कोशिश की और उनकी पेट्रोलिंग गाड़ी पर पथराव कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। घटनास्थल पर मौजूद भीड़ ने इस विवाद को सुलझाने के बजाय तमाशबीन बने रहना चुना। घटना की सूचना मिलते ही कोटा एसडीओपी नूपुर उपाध्याय मौके पर पहुंची और देर रात तक चली कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर गुरूवार 29 अगस्त 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

विश्वविद्यालय अपने संसाधन खुद जुटाएं

जब हर चीज और हर सेवा को कारोबार मान लिया गया है, तो विश्वविद्यालय प्रशासनों का यह सोचना बेज़ा नहीं है कि संपत्तियों का अधिक से अधिक मौद्रिक मूल्य प्राप्त किया जाए। उन संपत्तियां को भी जो मुफ्त में विश्वविद्यालयों को दी गई थीं। अमेरिका में मशहूर विश्वविद्यालयों द्वारा अपनी जमीन या अन्य संपत्तियों को बेचने की खबरें कई वर्षों से चर्चित हैं। आज की कारोबारी भाषा में इन्हें संपत्ति को मोनेटाइज करना कहा जाता है। नव-उदारवादी दौर में जब हर चीज और हर सेवा को कारोबार मान लिया गया है, तो विश्वविद्यालय प्रशासनों का यह सोचना बेज़ा नहीं है कि संपत्तियों का अधिक से अधिक मौद्रिक मूल्य प्राप्त किया जाए। यह दीगर बात है कि कभी जब शिक्षा को सामाजिक जरूरत माना जाता था, तब सार्वजनिक स्वामित्व वाली संपत्तियां मुफ्त में या बेहद रियायती दरों पर विश्वविद्यालय को दी गई थीं। बहरहाल, अब यह ट्रेंड भारत पहुंच गया है। दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) अपनी दो संपत्तियों को बेचने की तैयारी में है। तर्क है कि विश्वविद्यालय गंभीर वित्तीय संकट में है। इसलिए विश्वविद्यालय ने अपनी दो संपत्तियों- गोमती गेस्ट हाउस और 35, फिरोज शाह रोड को बेचने की योजना बनाई है। इसके अलावा शिक्षा मंत्रालय को पत्र लिख कर जेएनयू ने अपनी संपत्तियों पर चल रहे 12 राष्ट्रीय संस्थानों का किराया मांगने का इरादा भी जताया है। शिक्षक संगठनों ने उचित ही इस कथित वित्तीय संकट के लिए सरकारी नीति को जिम्मेदार ठहराया है। उनके मुताबिक जब मुद्रास्फीति के अनुपात में सरकार उच्च शिक्षा का बजट नहीं बढ़ा रही है, तो ऐसी स्थिति आनी ही है। गौरतलब है कि केंद्र पहले ही शोध अनुदान, लाइब्रेरी फंड आदि में कटौती कर चुका है। सवाल है कि इस नीति का क्या परिणाम होगा? जाहिर है, धीरे-धीरे यह सोच लागू कर दी जाएगी कि विश्वविद्यालय अपने संसाधन खुद जुटाएं। नतीजतन शिक्षा इतनी महंगी हो जाएगी कि वह आम परिवारों की पहुंच से बाहर हो जाएगी। मेडिकल, इंजीनियरिंग और अन्य तकनीकी शिक्षा के मामले में ऐसा पहले ही हो चुका है। अब सामान्य शिक्षा को भी सुविधा-संपन्न तबकों का विशेषाधिकार बनाया जा रहा है। इसका एक परिणाम यह भी होगा कि देश सामान्य परिवारों से आने वाली प्रतिभाओं की सेवा से वंचित हो जाएगा।

आलेख

कांग्रेस छोटा मुकाबला जीतने बड़ी लड़ाई गंवा दी

एस. सुनील

राजनीति और युद्ध के रणनीतिकार यह मानते हैं कि बड़ी लड़ाई जीतने के लिए कई बार छोटे छोटे मुकाबले हारने होते हैं। लेकिन कांग्रेस पार्टी ने जम्मू कश्मीर में जो राजनीति की है उससे ऐसा लग रहा है कि उसने छोटा मुकाबला जीतने के लिए बड़ी लड़ाई गंवा दी है। उसने जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए फारूक और उमर अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस से तालमेल कर लिया है। ऐसा नहीं है कि यह तालमेल पार्टी के प्रभारी महासचिव या किसी और नेता ने की है। कांग्रेस के सर्वोच्च नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी खुद इसके लिए श्रीनगर गए थे। वे अपने साथ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे को भी लेकर गए थे। खडगे और राहुल ने स्वंय फारूक और उमर अब्दुल्ला से मुलाकात की और तालमेल को अंतिम रूप दिया। तभी इसके आगे अब जो भी घटनाक्रम होगा उसकी जिम्मेदारी पार्टी के साथ साथ राहुल गांधी की भी होगी। सबसे आश्चर्य में डालने वाली बात यह है कि राहुल गांधी ने जम्मू कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ जब तालमेल किया उससे दो दिन पहले ही उस पार्टी ने अपना चुनाव घोषणापत्र जारी किया था। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने विधानसभा चुनाव के लिए जारी घोषणापत्र में कहा है कि वह जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को फिर बहाल करेगी। उसने यह भी कहा कि वह अनुच्छेद 35ए को भी फिर से बहाल करेगी और विधानसभा में एससी व एसटी के लिए आरक्षण देने के प्रावधान को भी बदलेगी। नेशनल कॉन्फ्रेंस का यह घोषणापत्र आने के बाद राहुल गांधी ने उसके साथ तालमेल किया है। यह नहीं माना जा सकता है कि राहुल गांधी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस का चुनावी घोषणापत्र नहीं देखा होगा। उन्होंने घोषणापत्र देखने के बाद पूरी जिम्मेदारी के साथ तालमेल किया है। इसलिए राहुल गांधी को निश्चित रूप से अनुच्छेद 370 पर अपनी और पार्टी की स्थिति स्पष्ट करनी होगी। उन्हें बताना होगा कि वे इसके बारे में क्या सोचते हैं और वे नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा इसे फिर से बहाल करने के वादे का समर्थन करते हैं या नहीं? ध्यान रहे अगस्त 2019 में जब संसद में प्रस्ताव पेश करके इस अनुच्छेद को समाप्त किया गया तो पूरे देश ने इसका स्वागत किया था। कांग्रेस के भी कई नेताओं ने व्यक्तिगत रूप से इसका समर्थन किया। जहां तक कांग्रेस पार्टी का सवाल है तो उसने भी आधिकारिक रूप से इसका विरोध नहीं किया। उसके बाद से कांग्रेस हमेशा कहती रही है कि वह जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल कराएगी। उसने कभी नहीं कहा कि वह विशेष राज्य का दर्जा बहाल कराएगी। इस तरह कह सकते हैं कि कांग्रेस ने अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35ए पर रणनीतिक रूप से समान दूरी का रवैया अपनाया हुआ है। वह इन दोनों अनुच्छेद को हटाने का न तो खुल कर समर्थन करती है और न खुल कर विरोध करती है। परंतु अब कांग्रेस को अपना रुख स्पष्ट करना होगा। क्योंकि जम्मू कश्मीर में चुनाव हैं और उसने नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ तालमेल किया है, जिसने अनुच्छेद 370 और 35ए की वापसी का वादा किया है। अब कांग्रेस को जवाब देना होगा कि वह जम्मू कश्मीर को फिर से विशेष राज्य का दर्जा देने के बारे में क्या सोचती है? वह जम्मू कश्मीर से लद्दाख को अलग किए जाने के बारे में क्या सोच रखती है? राज्य की अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों और महिलाओं के साथ घनघोर भेदभाव करने वाले अनुच्छेद 35ए के बारे में क्या सोचती है? जम्मू कश्मीर के अलग संविधान और अलग झंडे के बारे में क्या सोचती है? जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के दौरान तो कांग्रेस से इन सवालों के जवाब मांगे ही जाएंगे उसके बाद पूरे देश में इस पर चर्चा होगी। कांग्रेस को देश की जनता को इसका जवाब देना होगा, जिसने अनुच्छेद 370 हटाए जाने का खुले दिल से स्वागत किया था। कांग्रेस इन सवालों से पल्ला नहीं झाड़ सकती है। अगर वह जवाब नहीं भी देती है तब भी देश की एकता और अखंडता से जुड़े इस मसले पर उसकी सचाई जनता के सामने आ चुकी है। हो सकता है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ तालमेल और इन गंभीर मुद्दों पर चुप्पी कांग्रेस को जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में कुछ सफलता दिला दे लेकिन इन्हीं कारणों से कांग्रेस देश की लड़ाई गंवा देगी। कांग्रेस के प्रति देश भर में फिर से अविश्वास पैदा होगा। उसके विभाजनकारी एजेंडे पर नए सिरे से चर्चा होगी।

गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के संघस्थ शिष्य और अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ जीवन प्रकाश जी जैन : एक आदर्श युवा व्यक्तित्व...

47वें जन्मदिवस पर सादर प्रस्तुत

बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्रचक्रवर्ती श्री शांतिसागर जी महाराज का महान व्यक्तित्व एवं कृतित्व

इस समाज द्वारा कभी विस्मृत नहीं किया जा सकता है क्योंकि उन्होंने जैन संस्कृति के संरक्षण में जो अवदान दिये हैं, वे सदा अतुल्य ही रहेंगे।आगे इसी परम्परा के चमकते सितारे के रूप में हमें पूज्य गणिनीप्रमुख आर्यिकाशिरोमणि श्री ज्ञानमती माताजी का वरदहस्त प्राप्त हुआ और उनके द्वारा वर्तमान में की गई धर्मप्रभावना एवं संस्कृति संरक्षण के कार्य समाज के समक्ष उपस्थित हैं। ऐसी पूज्य माताजी के उपकारों से भी यह समाज कभी उऋण नहीं हो सकता। और भी धर्म के प्रति विभिन्न समर्पित व्यक्तित्वों ने अपना समाज विकास हेतु योगदान दिया, उनमें एक हैं गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के संघस्त शिष्य बाल ब्रम्हचारी डॉ जीवन प्रकाश जैन जी।

डॉ जीवन प्रकाश जैन जी का जीवन काफी रोचक रहा है। आज हम उनसे जुड़ी कुछ खास बातें बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं... डॉ जीवन प्रकाश जैन जी का जन्म 26 अगस्त 1978 को भोपाल में धार्मिक परिवार में हुआ 7 उनके माता का नाम श्रीमती प्रेमलता जैन और पिताजीका नाम श्री एल.सी. जैन है 7 भक्तामर स्तोत्र की उद्गम भूमि धार (म.प्र.) में मानतुंगगिरी दिगंबर जैन अतिशय तीर्थ क्षेत्र की निर्देशिका एवं गुजरात संत केसरी आचार्य श्री भरतसागर जी महाराज की शिष्या, क्षुल्लिका श्री चंद्रमती माताजी आपकी गृहस्थ बहन हैं।श्री दीपक-रचना जैन, सोनू-संजय जैन उनके भाई बहन का नाम है डॉ जीवन प्रकाश जैन जी को हिंदी और अंग्रेजी भाषाएँ ज्ञात है

शैक्षणिक योग्यता

होलकर विज्ञान महाविद्यालय (स्वशासी), देवी अहिल्या विश्वविद्यालय-इंदौर (म.प्र.) से एम.एस.सी. (गणित) प्रथम श्रेणी के साथ, वर्ष 1999-2001।

भोज मुक्त विश्वविद्यालय भोपाल से भारत के दार्शनिक ग्रंथों में कुछ गणितीय सामग्री का विश्लेषण विषय पर पीएचडी ।

व्यवसायिक योग्यता

इंदौर स्कूल ऑफसोशल वर्क, डीएवीवी, इंदौर से मानव संसाधन विकास (एचआरडी) के लिए एक वर्षीय प्रबंधन पाठ्यक्रम, प्रथम श्रेणी, वर्ष 2003-2004।

वर्तमान धार्मिक स्थिति

ब्रह्मचर्य व्रत के साथ गणिनीप्रमुख आर्यिका शिरोमणि श्री ज्ञानमती माताजी के 'संघ' में शामिल हुए ।

ज्ञानमती माताजी के संघ' में निम्न संत हैं

गणिनीप्रमुख आर्यिका शिरोमणि श्री ज्ञानमती माताजी की शिष्या प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी एवं अन्य आर्यिकाएँ एवं क्षुल्लिका माताजी, जम्बूद्वीप धर्मपीठ के पीठाधीश, कर्मयोगी स्वस्तिश्री रवींद्रकीर्ति स्वामी जी, भारत में जैन समाज के सबसे समर्पित और प्रसिद्ध व्यक्तित्वों में से एक है 7 अन्य ब्रह्मचारी-ब्रह्मचारिणी भी 'संघ' का अंग हैं 7

धार्मिक अध्ययन

परम जैन साध्वी गणिनी प्रमुख आर्यिका शिरोमणि श्री ज्ञानमती माताजी के मार्गदर्शन में पूज्य प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी द्वारा तत्वार्थ सूत्र, द्रव्य संग्रह, रत्नकरंड श्रावकाचार, गोम्मटसार जीवकांड, नियमसार, पद्मनंदी पंचविंशतिका आदि विभिन्न ग्रंथों का अध्ययन।

विदेश यात्रा

2007 में दशलक्षण पर्व पर व्याख्यान देने के लिए कैलिफोर्निया अमेरिका के जैन केंद्र द्वारा आमंत्रित किया गया। एक महीने के दौरे में विभिन्न केंद्र शामिल थे - मिलपिटास-कैलिफोर्निया, फीनिक्स-एरिज़ोना, डलास-टेक्सास और ऑरलैंडो-फ्लोरिडा। 2015 में न्यू जर्सी,न्यूयॉर्क, फ्रैंकलीन में दशलक्षण पर्व में धर्मप्रभावना के लिए आमंत्रित किया गया। 2019 और 2022 में डॉ जीवन प्रकाश जैन जी को जैनधर्म के सबसे बड़े दशलक्षण महापर्व के अवसर पर अमेरिका के ''जैन सेंटर ऑफ नार्दन कैलीफोर्निया'' द्वारा अतिविशिष्ट स्कॉलर के रूप में आमंत्रित किया गया था । जहां पर वह एकमात्र वक्ता के रूप में लगातार 10 दिन तक अमेरिका में मौजूद लोगों के बीच में रहकर जैनधर्म के विभिन्न पहलुओं पर अपने अभिभाषण किए । जिससे अमेरिका में सिर्फहस्तिनापुर का ही नहीं भारत का भी मान सम्मान और बढा और वहां के लोगों में भारत की प्राचीन संस्कृति के बारे में जानकार धार्मिक भावनाएं पैदा हुई । एसी क्रम में वर्तमान में सन 2024 में भी आप हाल ही में 6 सितम्बर को अटलांटा,वॉशिंग्टन डीसी, वर्जीनिया आदी जैन सेंटर में धर्मप्रभावना के लिए प्रस्थान कर रहे हैं 7

साहित्यिक उपलब्धियां

लगभग 15000 जैन धार्मिक शब्दों के हिंदी व अंग्रेजी दोनो भाषाओं में वर्णन से युक्त एक अत्यंत सम्भावित ग्रंथ भगवान महावीर हिंदी-अंग्रेजी जैन शब्दकोष के संकलन में संकलन सहायक के रूप में कार्य किया (वर्ष 2003-2004)।

मुख्य रूप से गणिनी ज्ञानमती गौरव ग्रंथ , पार्श्वनाथ ग्रंथ , आचार्य भारतसागर गौरव ग्रंथ, प्रज्ञा पुंज ग्रंथ प्रज्ञाश्रमणी चंदनामती माताजी के व्यक्तित्व पर आदि महान स्मारक खंडों के संपादकों में से एक के रूप में काम किया।

जैन समाज की 51 वर्षीय प्रतिष्ठित मासिक पत्रिका सम्यकज्ञान के संपादक के रूप में डॉ जीवन प्रकाश जैन वर्षों से अपनी सतत सेवाएँ दे रहे हैं।।

हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में आकर्षक पुस्तक जम्बूद्वीप दर्शन के संकलन हेतु कार्य किया ।

पीठाधीश कर्मयोगी रवींद्रकीर्ति स्वामी जी के व्यक्तित्व पर प्रकाशित स्मृति पुस्तक गौरविका और कर्मयोगी पीठाधीश रवींद्रकीर्ति स्वामी जी के 75 वें हिरक जन्म जयंती के अवसर पर प्रस्तुत आदर्श एवं प्रेरणास्पद सचित्र जीवन दर्शन साहसीक व्यक्तित्व ग्रंथ समाज को भेंट की।

साथ ही आपके द्वारा दिगंबर जैन त्रिलोक संस्थान-जंबूद्वीप के 50 वर्षों की पूर्णता पर शरदपूर्णिमा एवं स्वर्ण जयंती आयोजन हेतु संस्थान की 50 वर्षों की महान उपलब्धियों के चित्रमय इतिहास और संस्मरणों से समाहित स्वर्णिम सोपान नामक आकर्षक बहुउपयोगी स्मारिका का निर्माण पिछले 50 वर्षों का आईना बनकर समाज के समक्ष प्रस्तुत है। साथ ही शाश्वत तीर्थंकर जन्मभूमि अयोध्या के विषय में महातीर्थ अयोध्या पुस्तक भी आपके परिश्रम का एक महत्त्वपूर्ण व उपयोगी परिणाम है।

शैक्षणिक कार्य

जैन धर्म के विभिन्न विषयों पर आधारित 2 महीने का जैन अध्ययन हेतु ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स सफ्लतापूर्वक आयोजित किया गया । इसमें जैन धर्म के अध्ययन के लिए भारत और विदेश में हजारों अभ्यर्थियों ने रुचिपूर्वक भाग लिया (2010-2011-2012)।

आर्यिका श्री चंदनामती माताजी की प्रेरणा से गणिनी ज्ञानमती दिगम्बर जैन पत्राचार परीक्षा केन्द्र का आयोजन।

प्रबंधकीय योगदान

डीजेआईसीआर के माध्यम से व्यापक रूप से चलने वाली सभी गतिविधियों का एक जिम्मेदार हिस्सा रखने के साथ-साथ शैक्षणिक और सामाजिक कार्यक्रम, प्रकाशन आदि जैसे विभिन्न प्रबंधकीय गतिविधियों के लिए विशेष योगदान देना।

सामाजिक जुड़ाव

राष्ट्रीय अध्यक्ष-अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद,प्रबंध सचिव-दिगंबर जैन त्रिलोक शोध संस्थान, जम्बूद्वीप-हस्तिनापुर एवं तीर्थंकर ऋषभदेव तपस्थली तीर्थ, प्रयाग-इलाहाबाद 7 सतपथ फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट, वडोदरा और यूएसए के लिए सलाहकारों में से एक 7तीर्थंकर ऋषभदेव जैन विद्वत महासंघ के सदस्य। साथ ही जैन समाज की सबसे बडी संस्था भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थक्षेत्र मुंबई के राष्ट्रीय मंत्री, भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आदी विभिन्न संस्था के साथ ही विशेषरुपसे उत्तर प्रदेश सरकार के सांस्कृतिक विभाग से संबद्ध उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान लखनऊ के सदस्य के रुप में समाज को गौरवान्वीत करते हैं आपने दिल्ली सांसद भवन अँनेक्सी में एवं दिल्ली विधान सभा में भी आपने संबोधनों से गौरव प्राप्त किया है 7 गिनीज वर्ल्ड रेकार्ड में शामिल मांगीतुंगी में बनी 108 फुट भगवान आदिनाथ प्रतिमा के अंतराष्ट्रीय पंचकल्याणक महोत्सव में भी महत्वपूर्ण लोगों में आपकी भी भूमिका महत्वपूर्ण रही है

भविष्य की योजनाएं

गणिनी माताजी की पावन शरण में आध्यात्म के मार्ग पर अग्रसर होना एवं उनकी सेवा करना।

उद्देश्य

जैन धर्म के सत्य सिद्धांतों को विज्ञान के आधार पर प्रसारित करने के लिए अर्जित ज्ञान का अन्वेषण करना, ताकि नई पीढ़ी एवं युवा इसे तार्किक रूप से स्वीकार कर सकें।जैन समाज की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं विकास के लिए समर्पित होना।

विशेषता

धार्मिक भाषण देने में कुशल।

विभिन्न उपाधि अलंकरण-

आपको समय-समय पर विभिन्न समाज और संस्थाओं द्वारा आदर्श युवा रत्न, प्रज्ञाभूषण, समाज गौरव आदि उपाधियों से सम्मानित भी किया गया है ।

अयोध्या का विकास जन जन की उपलब्धि

अयोध्या एवं जम्बूद्वीप हस्तिनापुर जैन तीर्थ मंत्री डॉ. जीवन प्रकाश जैन ने बताया की जैन धर्म में भी भगवान राम और सीता जी का महत्व है। अयोध्या में जैन धर्म के भगवान ऋषभ देव आदि पांच तीर्थंकरों का जन्म हुआ है। अयोध्या जैन धर्मावलंबियों के लिए भी एक महान और पवित्र तीर्थ है। राममंदिर भारतीय संस्कृति की मिसाल बनकर सदैव स्थापति रहेगा।

डॉ जीवन प्रकाश जैन जी आप आकांक्षी, प्रेरणादायक और ज्ञान से भरपूर हैं। आप जैसे महान व्यक्ति के लिए मेरे मन में केवल अत्यधिक सम्मान है।

जम्बूद्वीप संस्थान के प्रबंध मंत्री डॉ जीवन प्रकाश जैन जी ने हस्तिनापुर नगरी के प्राचीन महत्व को जन-जन में पहुँचाया और जैनधर्म के परिप्रेक्ष्य में धर्म का प्रचार-प्रसार किया ।

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद 47 वर्षों से अधिक समय से कार्यरत है 7 20 जनवरी 2013 को डॉ. जीवन प्रकाश जैन-जम्बूद्वीप को राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया। जो प्रति तीन वर्ष में यानि वर्ष 2016, 2018,इसके उपरांत 23 जुलाई 2020 को डॉ. जीवन प्रकाश जैन-जम्बूद्वीप को राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया ।

47 वर्षों से अधिक समय से कार्यरत इस युवा परिषद को वर्तमान में समस्त दिगम्बर जैन आचार्यों, उपाध्यायों, मुनियों, आर्यिकाओं तथा परमपूज्य गणिनीप्रमुख आर्यिकाशिरोमणि श्री ज्ञानमती माताजी एवं प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी का विशेषरूप से मंगल आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त है तथा पूज्य पीठाधीश क्षुल्लकरत्न श्री मोतीसागर जी महाराज (स्व.) के मार्गदर्शन को भी नहीं भुलाया जा सकता। इस प्रकार हमारे समाज के ऐसे गौरवपूर्ण व्यक्तित्व हम सब युवाओं के लिए प्रेरणादायी डॉ जीवन प्रकाश जैन जी के जन्मदिवस पर हम सभी अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद की तरफ से उनके यशस्वी उज्वल तथा धार्मिक एवं सामाजिक कल्याण के जीवन की मंगल कामनाये करते है 7 आपके साथ हम सभी युवाओं का भी योगदान छोटे बडे रूप से समाज और धर्म के लिए हमे प्राप्त होते रहे ऐसी मंगल कामनाओं के साथ आप के माता पिता और गुरू के चरणो में हमारा शत शत प्रणाम 7

शब्दांकन - अभिषेक अशोक पाटील
कार्याध्यक्ष अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद, कोल्हापूर

सामाजिक समरसता से बनेगा सशक्त भारत

प्रो. संजय द्विवेदी

यानि जन्म से आप 'आदमी' हो सकते हैं किंतु 'मनुष्य' या 'इंसान' एक प्रक्रिया से गुजरने के बाद ही आप बनते हैं। हमारे समाज में मनुष्य बनाने के स्कूल थे। हमारा परिवार, समाज और विद्यालय तथा धर्मगुरु इस प्रक्रिया को संभव करते थे समता, ममता और समरसता हमारे भारतीय लोकजीवन का अभिन्न अंग है। हम जिस देश में रहते हैं उसके ऋषि कहते हैं- 'सर्वभूतहिते रता:।' प्रकृति से साथ हमारा संवाद बहुत पुराना है। इसलिए हमने अपनी समूची सृष्टि को स्वीकारा। किसी को विरोधी नहीं माना। पेड़, पहाड़, नदियां, समुद्र, वनस्पतियां, जलचर, नभचर, जीव-जंतु, मनुष्य सबमें ईश्वर का वास मानने वाले हम ही हैं। हम ही कह पाए जो जड़ में है वही चेतन में है। कण-कण में ईश्वर का वास मानने वाली संस्कृति ही भारतीय संस्कृति है। काल के प्रवाह में विचलन स्वाभाविक है। आज हमें समता, समरसता और अधिकारों की बात करनी पड़ रही है। सुधारों की बात करनी पड़ रही है, क्योंकि विचलन ने हमें उन मूल्यों से विरत कर दिया, जहां एक आदमी को ईश्वर बन जाने की स्वतंत्रता थी। आदमी का मनुष्य बनना और फिर देवत्व की तरफ बढ़ना साधारण नहीं है। उसके मूल्यनिष्ठ होते जाते की मुनादी है, घोषणा है। ऋषि कहते हैं- 'मर्नु भव:' यानि मनुष्य बनो। यही बाद बाद में गालिब के मुंह से निकलती है- यानि जन्म से आप 'आदमी' हो सकते हैं किंतु 'मनुष्य' या 'इंसान' एक प्रक्रिया से गुजरने के बाद ही आप बनते हैं। हमारे समाज में मनुष्य बनाने के स्कूल थे। हमारा परिवार, समाज और विद्यालय तथा धर्मगुरु इस प्रक्रिया को संभव करते थे। मनुष्य-मनुष्य में भेद को हमने अपराध माना। इसीलिए गुरू घासीदास कहते हैं- मनखे-मनखे एक हैं। इसी बात को गांधी छुआछूत के संदर्भ में कहते हैं- अस्पृश्यता ईश्वर और मानवता के प्रति अपराध है। हिंदू समाज में आई जड़ता को तोड़ने के लिए समय-समय पर सुधारवादी आंदोलन चलते रहे हैं। हिंदु स्वयं एक ऐसा समाज है, जिसने अपने आत्मसुधार के लिए निरंतर यत्न किए हैं। हम सब ऋषियों की संतति हैं यह भाव लेकर काम करते रहे हैं। गौतम बुद्ध, भगवान महावीर, कबीर, नानक, गुरू गोरखनाथ, गुरू घासीदास, संत रविदास से लेकर एक पूरी परंपरा जड़ताओं और कुरीतियों पर प्रहार करते हुए आत्मालोचन के लिए प्रेरित करती रही है। समय के सच को समझना और अपने समय के कठिन

सवालों से जूझना हिंदुत्व की प्रकृति रही है। गुलामी के कालखंड में आई कुछ नकारात्मक वृत्तियों को समाप्त करने के लिए राजा राममोहन राय, महात्मा गांधी, बाबा साहब डा.भीमराव आंबेडकर, महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, पंडित सुंदरलाल शर्मा जैसे अनेक नायक हमारे समाज में समरसता के मंत्रदृष्टा बनकर आते रहे हैं। कोई भी समाज कुरीतियों से मुक्त नहीं है। हर समाज में समय के साथ कुछ गिरावट आती है। मूल बात यह है कि क्या समाज अपनी गिरावट के विरूद्ध तनकर खड़ा होता है या नहीं। उसमें आत्मालोचन और आत्मसमीक्षा की प्रवृत्ति है या नहीं। हिंदु समाज इस अर्थ में खास है कि उसने प्रश्नाकुलता को समाज में मान्यता दी है। वह सती प्रथा, बाल विवाह, छूआछूत, जातीय विद्वेष के विरूद्ध खड़ा हुआ और स्त्री शिक्षा, स्त्री को न्याय,मनुष्य की बराबरी के मानकों को स्वीकार करते हुए एक नया भारत बनाने की ओर है। समाज में 'जातिद्वेष' मान्यता नहीं है। हम मानते रहे हैं कि जाति का गौरव होना चाहिए किंतु जाति भेद ठीक नहीं। हमारे अनेक ऋषि व्यास, बाल्मीकि, संत रविदास, संत रसखान हमारे श्रद्धास्थान हैं। क्योंकि हमें बताया गया और हमने माना भी कि जाति-पात पूछे नहीं कोई, हरि को भजे सो हरि का होई। हमारी परंपरा के सर्वोच्च नायक भगवान श्रीराम के समरसता इन्हीं गुणों से मर्यादा पुरूषोत्तम बने। अपनी उदार भावनाओं से वे 'शबरी के राम' हैं तो 'बाल्मीकि के भी राम' हैं। वे तुलसी के राम हैं तो कबीर के भी राम हैं। वे हनुमान के हृदय में हैं तो आहिल्या के भी उद्धारकर्ता हैं। वे निषादराज के परममित्र हैं, तो किष्किंधानरेश सुग्रीव के भी मित्र हैं। इस परंपरा को समझने वाले ही भारत के मन को समझ सकते हैं। भारतीय समाज को लांछित करने के लिए उस पर सबसे बड़ा आरोप वर्ण व्यवस्था का है। जबकि वर्ण व्यवस्था एक वृत्ति थी, टेंपरामेंट थी। आपके स्वभाव, मन और इच्छा के अनुसार आप उसमें स्थापित होते थे। व्यावसायिक वृत्ति का व्यक्ति वहां क्षत्रिय बना रहने को मजबूर नहीं था, न ही किसी को अंतिम वर्ण में रहने की मजबूरी थी। अब ये चीजें काल बाह्य हैं। वर्ण व्यवस्था समाप्त है। जाति भी आज रूढ़ि बन गयी किंतु एक समय तक यह हमारे व्यवसाय से संबंधित थी। हमारे परिवार से हमें जातिगत संस्कार मिलते थे-जिनसे हम विशेषज्ञता प्राप्त कर 'जाब गारंटी' भी पाते थे। इसमें सामाजिक सुरक्षा थी और इसका सपोर्ट सिस्टम भी था। बढ़ई, लुहार, सोनार, केवट, माली, निषाद, बुनकर ये जातियां भर नहीं है। इनमें एक व्यावसायिक हुनर और दक्षता जुड़ी थी। गांवों की अर्थव्यवस्था इनके आधार पर चली और मजबूत रही।

आज यह सारा कुछ उजड़ चुका है। हुनरमंद जातियां आज रोजगार कार्यालय में रोजगार के लिए पंजीयन करा रही हैं। जाति व्यवस्था और वर्ण व्यवस्था दोनों ही अब अपने मूल स्वरूप में काल बाह्य हो चुके हैं। अप्रासंगिक हो चुके हैं। ऐसे में जाति के गुण के बजाए, जाति की पहचान खास हो गयी है। इसमें भी कुछ गलत नहीं है। हर जाति का अपना इतिहास है, गौरव है और महापुरुष हैं। ऐसे में जाति भी ठीक है, जाति की पहचान भी ठीक है, पर जातिभेद ठीक नहीं है। जाति के आधार भेदभाव यह हमारी संस्कृति नहीं। यह मानवीय भी नहीं और सभ्य समाज के लिए जातिभेद कलंक ही है। भारत के इतिहास में तमाम ऐसे पृष्ठ हैं, जिसमें हमारी संस्कृति और सभ्यता की रक्षा के लिए समाज के हर वर्ग के लोगों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। विदेशी आक्रामणों से जूझते हुए भी हमारे समाज ने अपनी सभ्यता और संस्कृति को जीवित रखा। बाद के कालखंड में विभेदकारी शासकों ने भारतीय समाज में विभाजन के बीज बोए क्योंकि उन्हें अपने राज को स्थाई बनाना था। लोगों के हाथ से हुनर छीन कर उन्हें दास बनाना उनका मकसद था। यह काम बिना बंटवारे की राजनीति से संभव नहीं था। भारत के सामने अपनी एकता को बचाने का एक ही मंत्र है, 'सबसे पहले भारत'। इसके साथ ही हमें अपने समाज में जोड़ने के सूत्र खोजने होगें। भारत विरोधी ताकतें तोड़ने के सूत्र खोज रही हैं, हमें जोड़ने के सूत्र खोजने होगें। किन कारणों से हमें साथ रहना है, वे क्या ऐतिहासिक और सामाजिक कारण हैं जिनके कारण भारत का होना जरूरी है। इन सवालों पर सोचना जरूरी है। अगर वे हमारे समाज को तोड़ने, विखंडित करने और जाति, पंथ के नाम पर लड़ाने के लिए सचेतन कोशिशें चला सकते हैं, तो हमें भी इस साजिश को समझकर सामने आना होगा। भारत का भला और बुरा भारत के लोग ही करेगें। इसका भला वे लोग ही करेंगें जिनकी मातृभूमि और पुण्यभूमि भारत है। वैचारिक गुलामी से मुक्त होकर, नई आंखों से दुनिया को देखना। अपने संकटों के हल तलाशना और विश्व मानवता को सुख के सूत्र देना हमारी जिम्मेदारी है ।भारत अपनी लंबी गुलामी से उपजी इसी पीड़ा को आजतक भोग रहा है। कोई भी राष्ट्र इतने लंबे समय की गुलामी के बाद तमाम राष्ट्रों की तरह समाप्त हो जाता, किंतु भारत खड़ा है क्योंकि उसके पास परंपरा का उत्तराधिकार था। ऋषियों और संतों द्वारा दिया गया आध्यात्मिक उत्तराधिकार था। भक्ति ने भारत को हमेशा बचाया और बदला है। हमारी संत परंपरा हमारी जड़ों में एकता और समरसता के सूत्र पिरोती रही है। उनकी शरण में भारत खुद को तलाशता रहा है और सामने खड़े प्रश्नों से मुक्ति पाता रहा है। कुंभ जैसे आयोजन उसके नवपरिष्कार का अवसर देते रहे हैं, तो समाज में प्रवास कर संत शक्ति उसकी शक्ति को संगठित करती रही है। आज समरसता के मंत्रदृष्टा अनेक सामाजिक संगठन भी सक्रिय होकर अपनी भूमिका का निर्वाह कर रहे हैं। भारत जाग रहा, अपना पुर्नअविष्कार कर रहा है। अपनी सांस्कृतिक धारा से जुड़कर अपने संकटों के हल तलाश रहा है। यही यात्रा समरसता की वाहक भी और प्रस्थान बिंदु भी। सामाजिक एकता और सामाजिक समरता के बिना हम 'एक भारत और श्रेष्ठ भारत' नहीं बना सकते।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, गुरुवार 29 अगस्त 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

गृहस्थ की शोभा दान से है, दान देने से भाग्य पलटता है : मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज

इंदौर (विश्व परिवार)। गृहस्थ की शोभा दान से है, दान देने से भाग्य पलटता है, जीवन ऐसे बदलता है जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते तंगी की कितनी हालत हो यदि तुम दान करोगे तो तुम्हारा पक्का उत्थान होगा इसमें कोई संशय नहीं! दान पाप के प्रछालन के लिये, आसक्ति के निवारण के लिये, अंतराय में विनाश के लिये, तथा उदारता के विकास के लिये होता है, यह भाव प्रत्येक व्यक्ति के मन में आना चाहिये। उपरोक्त उद्गार संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागरजी महामुनिराज के शिष्य मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने सोलहकारण की छटी भावना त्यागभावना पर प्रकट किये। उन्होंने त्याग और दान में अंतर बताते हुये कहा कि त्याग सर्वस्त्र का होता है जबकि दान एक अंश का होता है मुनि श्री ने कहा कि तन का मैल तो किसी भी साबुन से धोया जा सकता है, लेकिन मन का मैल सिर्फ दान देकर ही साफ किया जा सकता है दान दैने से जीवन ऐसे भी बदलता है जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते उन्होंनेआहार दान की महिमा बताते हुये कहा कि एक स्थान पर मेरा चातुर्मास चल रहा थ तंगी की हालत में मजदूरी करने बाला जैन परिवार काफी दिनों से चौका लगा रहा था एक दिन उस पर नजर पड़ी और उसको पड़गाहन दिया उसके घर आंगन में पपीता का पेड़ लगा हुआ था में उसके चौके में पहुंचा उसने नवधाभक्ति की और थाली दिखाई तो मेंने उस दिन सिर्फ पपीता की सब्जी तथा रोटी के अलावा दूसरा कोई आहार ही नही लिया, लेकिन उस दिन की रोटी का स्वाद ही अलग था मुनि श्री ने आहारदान की महिमा बताते हुये कहा कि दान के पश्चात उस मजदूर का भाग्य ऐसा पलटा कि पहले मजदूर था बाद में पूरी मंडी का तौल सम्हालने बाला पल्लेदार बन गया और उसकी आय 700- 800 रुपये प्रतिदिन हो गयी दूसरी घटनाअर्थिक दान की बतलाते हुये कहा कि अमरकंटक में आचार्य गुरुदेव के साथ चातुर्मास चल रहा था एक दिन छुल्लक जी एक व्यक्ति को लेकर आऐ और कहा कि महाराज जी यह व्यक्ति इंदौर का है तथा इसपर मौटा कर्जा हो गया तो यह इंदौर से भागकर जबलपुर पहुंचा और भेड़ाघाट में आत्महत्या करने के बिचार से निकला था लेकिन मन पलटा खाया और उसके मन में गुरु महाराज के दर्शन का बिचार आ गया और इसी निमित्त से यहअमरकंटक आ गया मेंने उससे पूंछा क्यों भाई ऐसी क्या परेशानी है जो इतना बड़ा जघन्य पाप करने जा रहे थे? तो उसकी आंखों से अश्रु धारा वह निकली उसने बताया कि उसकी तीन बेटियां है कर्जदार परेशान कर रहे है घर में तंगहाली है मेंने कहा रुको में उसे आचार्य महाराज के पास ले गया तथा उसकी कहानी सुनाकर उसको आशीर्वाद दिलाया आचार्य श्री ने मुझसे कहा कि इससे दान करा दो आचार्य गुरुदेव की बात को सुनकर में भी आश्चर्य में पड़ गया खैर मेंने उसको बुलाया और पूंछा कि तेरे पास कितने रुपया है उसने कहा कि पांच सौ तो मेंने कहा कितने दान कर सकते हो तो उसने कहा पूरे पांच सौ और उसने अपनी पूरी जमा पूंजी दान कर दी। उसका फल यह मिला कि दूसरे दिन ही जबलपुर के कुछ व्यापारी गुरुदेव के पास दर्शन के लिये आए और उसको अपने साथ ले गये उसको नौकरी पर रखा फिर उसकी लगन और महनत को देख उसे पार्टनर बना लिया आज उसकी खुद की बहूत बड़ी दुकान है, दान से उसकी बदहाल जिंदगी खुशहाली में बदल गयी। मुनि श्री ने कहा दान से सम्पत्ति हमेशा बड़ती है तथा वह जीवन को शास्वत सुख प्रदान करती है इसलिये प्रत्येक व्यक्ति को अपनी आय का 10व दान अवश्य करना चाहिये, दान करने से भाग्य पलटता है तथा श खुशहाली आती है। इस अवसर पर मुनि श्री निर्वेग सागर जी महाराज के भी प्रवचन हुये एवं मुनि श्री संधान सागर जी महाराज एवं समस्त छुल्लक संघ मंचासीन रहे।जानकारी देते हुये धर्मप्रभावना समिति के प्रवक्ता अविनाश जैन एवं मीडिया प्रभारी राहुल जैन (स्पोर्ट्स) ने बताया आज गुरुदेव प्रमाणसागर महाराज की आहार चर्या श्राविका आश्रम में संचालिका शशी दीदी के यंहा पर संपन्न हुई, जिसमें बड़ी संख्या में दीदी मौजूद रही।धर्म प्रभावना समिति के अध्यक्ष सहित समस्त पदाधिकारी उपस्थित थे। -**अविनाश जैन**

जैन दीक्षार्थियों की भव्य गोद भराई सम्पन्न

जतारा (विश्व परिवार)। परम पूज्य जतारा नगर गौरव श्रमणाचार्य श्री विमर्श सागर जी महाराज की जन्म नगरी श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र आदिश्वर धाम जतारा में 13 दीक्षार्थियों की भव्य अगवानी, हल्दी, मेहंदी, बिनोली उपरांत भव्य गोद भराई संपन्न हुई

भारतीय जैन संगठन तहसील अध्यक्ष एवं जैन समाज उपाध्यक्ष अशोक कुमार जैन ने बताया कि परम पूज्य जतारा नगर गौरव श्रमणाचार्य श्री विमर्श सागर जी महाराज के कर कमलों से दिनांक 15 नवंबर 2024 को सी.बी.डी. ग्राउंड दिल्ली में, बाल ब्रह्मचारिणी विशु दीदी एटा, बा. ब्र. महिमा दीदी जतारा (जतारा नगर गौरव श्रमणाचार्य श्री विमर्श सागर जी महाराज की गृहस्थ अवस्था की बहन) ब्र. प्रवीण भैया गाजियाबाद, बा. ब्र. नेहा दीदी अशोकनगर, बा. ब्र. ज्योति दीदी दिगोडा, ब्र. मित्रवती शिवपुरी, बा. ब्र. रिया दीदी कोलारस, बा. ब्र. गुंजन दीदी कोलारस, बा. ब्र. सोनाली दीदी खरगापुर, बा. ब्र. सृष्टि दीदी अशोकनगर, बा. ब्र. दीपा दीदी शिवपुरी, बा. ब्र. प्रतीक्षा दीदी रामपुर मथुरा, एवं ब्र. रीता दीदी गाजियाबाद सहित 13 भव्य जैनेश्वरी दीक्षाएं प्रदान की जा रही है।

दीक्षा पूर्व समस्त 13 दीक्षार्थियों की भव्य गोद भराई कार्यक्रम संपन्न करने के लिए पूज्य आचार्य श्री का, आशीष जतारा जैन समाज को प्राप्त हुआ।प्रात: काल की बेला में चदेरा तिगेला से दीक्षार्थियों की भव्य अगवानी संपन्न की गई। दोपहर मे चक्रेश जैन अनुज के घर अपनी बहन महिमा दीदी सहित समस्त दीक्षार्थियों की गोद भराई संपन्न हुई, एवं उसके बाद दोपहर 2:00 बजे से श्री विमर्श सागर सभागार में पूर्ण भव्यता से हल्दी, मेहंदी का कार्यक्रम संपन्न किया गया।

शाम 6:00 बजे से श्री शांतिनाथ जिनालय शांति विद्यानगर (न्यू कोर्ट कॉलोनी) जतारा से भव्य बिनोली शोभायात्रा प्रारंभ हुई, समस्त दीक्षार्थियों को दुल्हन की तरह सजा कर बग्घियों पर विराजमान किया गया एवं डीजे, बैंड, ढोल नगाड़े के साथ समस्त श्रावक श्राविकाएं पूर्ण हर्षोल्लास के साथ दीक्षार्थियों की अनुमोदना करते हुए चल रहे थे। शोभा यात्रा नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र आदिश्वर धाम जतारा पहुंची जहां पर जतारा जैन समाज द्वारा जैनेश्वरी भगवती दीक्षा प्राप्त करने वाले समस्त दीक्षार्थियों की सामूहिक रूप से गोद भराई कार्यक्रम संपन्न किया गया। कार्यक्रम का संचालन पवन मोदी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जैन समाज अध्यक्ष महेंद्र जैन, वीरेंद्र ठेकेदार, सुनील बंसल, मुकेश जैन बड़े, सलिल जैन नाजा, रचित भोपाली, अमित भंडारी, एटा, टीकमगढ़, देवेंद्र नगर, क्षेत्रीय जैन समाज, एवं नगर जतारा की जैन समाज सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। -**अशोक जैन**

बीरगांव नगर निगम में खुलेंगी 11 नयी राशन दुकानें, 15 सितम्बर 2024 तक मगाएं गए आवेदन

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर जिले के बीरगांव नगर निगम क्षेत्र में शासकीय उचित मूल्य की 11 नयी राशन दुकानें खुलेंगी। इन दुकानों के लिए एसडीएम कार्यालय द्वारा 15 सितम्बर तक निर्धारित प्रपत्र में आवेदन मंगाए गये हैं। इन 11 नयी दुकानों के खुल जाने से बीरगांव नगर निगम क्षेत्र में लोगों को रियायती दरों पर राशन की उपलब्धता आसान होगी, साथ ही राशन दुकानों पर लगने वाली भीड़ से भी निजात मिलेगी।

रायपुर के अनुविभागीय राजस्व अधिकारी श्री नंद कुमार चैबे ने बताया कि राज्य शासन के निर्देश अनुसार हितग्राहियों को उचित मूल्य की दुकानों से आसानी से रियायती दरों पर राशन उपलब्ध कराने के लिए वर्तमान में संचालित दुकानों का युक्तियुक्तकरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नगरीय क्षेत्रों में पांच सौ राशन कार्डों पर एक राशन दुकान संचालित करने के उद्देश्य से बीरगांव नगर निगम क्षेत्र में 11 नयी दुकानें खोली जानी है। इन दुकानों के आवंटन के लिए एसडीएम कार्यालय रायपुर के कक्ष क्रमांक-1 में निर्धारित प्रपत्र में भरा आवेदन एवं जरूरी दस्तावेज 15 सितम्बर 2024 तक जमा किए जा सकते हैं। श्री चैबे ने बताया कि बीरगांव नगर पालिका क्षेत्र में सबसे अधिक 3 दुकानें रावांभाठा जोन में वार्ड क्रमांक 9, 10 और 15 में खोली जाएंगी। उरला जोन में वार्ड क्रमांक-1 और 5 में, उरकुरा जोन में वार्ड क्रमांक-17 और 19 तथा सरोरा जोन में वार्ड क्रमांक -38 एवं 40 में दो-दो नयी राशन दुकानें खुलेंगी। अछोली जोन में वार्ड क्रमांक-6 और बीरगांव जोन में वार्ड क्रमांक-35 में एक-एक राशन दुकान शुरू की जाएगी।

जीवन में पाप का डर वास्तविक होना चाहिए : मुनिश्री प्रियदर्शी विजयजी

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री संभवनाथ जैन मंदिर विवेकानंद नगर में आत्मोल्लास चातुर्मास 2024 की प्रवचनमाला में पाप भीरूता गुण पर व्याख्यान जारी है। बुधवार को तपस्वी मुनिश्री प्रियदर्शी विजयजी म.सा. ने कहा कि जीवन में पाप का डर वास्तविक रहना चाहिए, बनावटी नहीं।

मुनिश्री ने कहा कि एक भाई जीवन में महंगाई से परेशान होकर, मेरे मरने पर किसी को दोष ना दिया जाए। इस तरह का पत्र लिखकर बाजार से जहर लाकर पीकर सो गए, लेकिन जहर में मिलावट होने से बच गए दूसरे दिन ऑफिस पहुंचे, वहां जाकर पता चला बॉस ने तनख्वाह डबल कर दी है बहुत खुश हुए महंगाई की तकलीफ में यह एक राहत का काम था मिठाई का डब्बा लेकर घर पहुंचे पत्नी ने समाचार जाना खुश होकर मिठाई का टुकड़ा उनके मुंह में डाला, खाते ही वह भाई साहब चल बसे... जांच पड़ताल की तो पता चला की मिठाई में छिपकली के मुख से निकला हुआ जहर गिर गया था। कहने का मतलब यह है जहर, पाप क्रिया है, मिलावट, पाप का डर है, मिठाई, धर्म क्रिया है और छिपकली की लार, मोक्ष का द्वेष है।

मुनिश्री ने कहा कि जीवन में पाप के डर के साथ पाप क्रिया होगी तब पाप क्रिया ज्यादा प्रभाव नहीं दिखा सकेंगी लेकिन मिठाई रूप धर्म क्रिया में मोक्ष का द्वेष (यानी संसार रसिकता) रहेगी तो कभी भी संसार का अंत नहीं होगा।

मुनिश्री ने कहा कि जीवन में पाप का डर लाने के लिए महत्वपूर्ण बिंदु है (1) जीवन में ऐसी कौन सी स्थिति है जिसमें आपको आनंद आता है (2) ऐसी कौन सी स्थिति है जिसमें आपको खेद उत्पन्न होता है (3) कौन सा कंपनसेशन आप क्लेम करते हो प्रभावना के लिए की सामायिक रह गई उसके लिए (4) आप किसकी संगति से दूर भागते हो- जो सज्जन धर्मी संत दानी की संगति आपको अच्छी नहीं लगती तो समझ लो कि पाप का पक्षपात आपके जीवन में कुंडली जमा कर बैठा है।

(5) किस की संगति आपको अच्छी लगती है- वर्तमान में धर्मी आपको अच्छे नहीं लगते यहां तक कि यदि आप अपने बच्चों के लिए लड़का या लड़की देखने जा रहे हो तो वर्तमान स्थिति के अनुसार जो लड़का या लड़की थोड़े ज्यादा धर्मिष्ठ हैं तो उसे आप पसंद नहीं करोगे मंदिर जाने वालों को आप कैंसिल करते हो पीने वाले को पसंद करते हो साधु संतों के पास जाने वाले को पसंद नहीं करते लेकिन होटल और क्लब में जाने वाले आपको पसंद आपके मन को भाते हैं।

मुनिश्री ने कहा कि जीवन के अंदर दो पॉइंट को खूब महत्व दो। (1) जिस दिन आपका जन्म हुआ और (2) जिस दिन मुझे यह पता चले की मेरा जन्म क्यों हुआ। (1) आपका फिजिकल जन्म है। (2) आपका आध्यात्मिक जन्म में (फिलोसॉफिकल जन्म)।

मुनिश्री पद्मसागर जी महाराज ने कहा- अनर्थ से बचना ही प्रयोजनभूत है

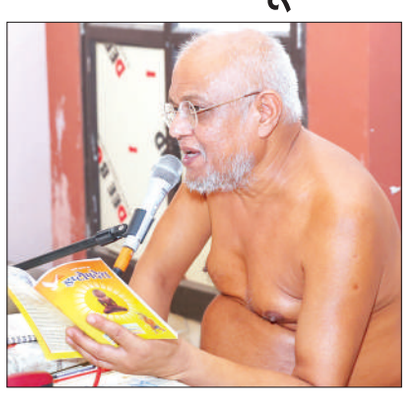

जबलपुर (विश्व परिवार)। आज संगम कॉलोनी जबलपुर में चातुर्मास रत निर्यापक श्रमण मुनि श्री 108 प्रसाद सागर जी के संगस्थ वाक्य पटु मुनि श्री 108 पद्म सागर जी ने जीवन के अनसुलझे रहस्यों को सुलझाते हुए बताया की अपने बारे में सोचो, अपने अनर्थों के बारे में सोचो दूसरे के भले के बारे में सोचो, यह अपाय विचय धर्मध्यान है और दूसरे का बुरा सोचने से दुध्यान होता है।अर्थ नीति के बिना गृहस्थ का जीवन चल नहीं सकता, लेकिन अनर्थ नीति से धन इकट्ठा करना ठीक नहीं।

प्रयोजन दूसरा होने पर हम प्रयोजनभूत को भूल जाते हैं।मुनि श्री ने बताया पहले दूध का दान होता था, आज चाय का, यह पाउच संस्कृति है, दरिद्रता का प्रतीक है एवं महाराज श्री ने सभी को प्रेरणा देते हुए कहा दुर्लभ क्षणों को व्यर्थ मत गवाओ, माला फेरो, स्तुति पाठ करो। पहले के समय में चक्की चलाते रहते थे और स्तुति पढ़ते रहते थे, मन को भटकने नहीं देते थे।

मुनिराज अहिंसा महाव्रत को पालने वाले होते है वे रात्रि में तो बोलते नहीं है, दिन में भी निष्प्रयोजन नहीं बोलते।अत: प्रयोजन के अभाव में बोलना भी हिंसा का कारण है एवं अनर्थों से बचने से रत्नत्रय धर्म पुष्ट होता है। आज सभी के बीच शहद का बहुत प्रचलन है परंतु मधु (शहद) की एक बूंद खाने से सात गाँव जलाने के बराबर दोष लगता है। इसलिए इस अनर्थ से बचना चाहिए। और जो अनर्थ से डरता है, वह विकास कर सकता है। अनर्थ से डरने वाला हमेशा सावधान रहता है। सो सभी सावधान रहे। -**आलेंद जैन**

आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के आदर्श शिष्य विचित्र बाते प्रणेता मुनी श्री सर्वार्थ सागर जी का 10वॉ मुनि दिक्षा दिवस

नांदणी (विश्व परिवार)। युवाओं के प्रेरणा पुंज, धरती के ऐसे देवता जो तन से विशुद्ध, मन से विशुद्ध, चर्या से विशुद्ध और चर्चा से विशुद्ध ऐसे वितराग आचार्य भगवन विशुद्ध सागरजी महाराज है। आचार्य विशुद्धसागरजी महाराज ये एक ऐसे संत है जिनकी आध्यात्म की गेहराई से सत्यार्थ का बोध होता है। ये ये एक ऐसे संत है जिनके चरणो में शीतलता मिलती है। जिनकी एक मुस्कुराहट से सारी थकान मीट जाती है। ये ऐसे संत है जिनके रोम रोम में णमोकार मंत्र की मेहक है। आचार्य विशुद्ध सागर महाराज जी द्वारा दीक्षित विचित्र बाते प्रणेता मुनी श्री सर्वार्थ सागर जी का आज 10 वा मुनि दिक्षा दिवस है। आज श्रमण मुनी श्री सर्वार्थ सागर महाराज जी के दिक्षा दिवस पर आइए जानते हैं उनके जीवन की कुछ खास बातें...

मुनि श्री सर्वार्थ सागर जी- आज से 33 वर्ष पूर्व वसंत की बहार में एक भावी संत का जन्म हुआ था, जिसको पाकर परिजन ही नही नगर का जन जन मुस्कुराया था और वह वसुधा थी पन्ना नगर के समीप बसे ग्राम सलेहा (म. प्र) की। सौभाग्य शाली दंपत्ति श्रीमान प्रमोद जी जैन एवं श्रीमति सुशीला जी जैन के आंगन में फिर एक बार खुशियां छाई थी।

1 फरवरी 1991 को जब तीसरी संतान के रूप में पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई थी, और उस सुंदर बालक का माता पिता ने नाम रखा अर्पित, भला उस समय कौन जानता था कि एक दिन अर्पित जिनशासन को समर्पित हो जाएगा, बड़े भाई और बड़ी बहिन का लाडला प्यारा छोटा भाई अर्पित बाल्यकाल से ही अत्यंत कुशाग्र बुद्धि का धनी था। घर के सभी काम अग्रणी होकर जो करते थे, चारों भाई बहन के खेल कूद हल चल से घर का वातावरण खुशियों से भरा रहता था।

यूं तो बालक अर्पित मंदिर जाता था लेकिन ज्यादा विशेष रुचि नहीं रहती थी, यूं ही समय बीतता गया और अर्पित के पिताश्री ने पढ़ाई के साथ धार्मिक संस्कारों से जुड़े रहें इसलिए ग्रेजुएशन करने खुरुई गुरुकुल में भेज दिया जहां से बीएस सी की लौकिक शिक्षा ग्रहण की और बड़े ही अच्छे से मित्र मंडली के मस्ती मजाक करते कॉलेज की पढ़ाई की।

पुन: घर आकर जो अपने पिता का व्यवसाय में सहयोग बड़े ही जिम्मेदारी से करने लगे लेकिन काल तो कुछ और सोच रहा थाज पुण्योदय से सलेहा (म. प्र)नगर जो प्रख्यात तीर्थ श्रेयांश गिरी सीरा पहाड़ की तलहटी भी कहलाता है। जहां विराजित है चतुर्थ कालीन श्री आदिनाथ भगवान जिनकी ऊर्जामई आभा जन जन के लिए मंगलकारी है।

ऐसे तीर्थ राज पर गुरुओं का आगमन होता ही रहता था। और एक बार वहाँ पधारे आचार्य भगवन श्री विशुद्ध सागर जी महाराज। जिनकी वात्सल्य मई छवि और उनकी वाणी सुनकर धर्म की ओर मन मुड़ गया। युवा बालक अर्पित धर्म पथ का अनुकरण करने लगे। पहले जो कोई ज्यादा मंदिर आदि में रुचि नहीं रखता था अब वह बदल गया। शुभ योग से मुनि विनिस्चल सागर जी महाराज का चातुर्मास कराने का सौभाग्य सलेहा नगर को मिला और महाराज के नगर में होने से अर्पित की लगन और मजबूत होती चली गई और फल स्वरूप मुनि श्री की पुरानी पिच्छिका भी प्राप्त हो गई। फिर कुछ दिन का विहार कराने जो मुनिराज के साथ चल दिए और मुनि संघ पहुंचता है टीकमगढ़। जहां एक माह की ग्रंथ राज रत्नकरण्डक श्रावकाचार की वाचना हुई और अर्पित भाई ने गाथाओं को कंठस्थ किया। तभी वीरभूमि राजस्थान में विशाल युग प्रतिक्रमण का आयोजन हो रहा था जहां आचार्य विराग सागर जी महाराज सहित 250 पिच्छी विराजमान थी। अर्पित भाई भी अपने परिवार के साथ दर्शन करने पहुंचे और भावना रखी मुझे आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज के संघ में प्रवेश लेना है।

पिता श्री बात को मान गए और आंसू बहाते आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज से कह दिया आज से यह बालक आपका है। अब आप संभालो और फिर शुरू हो गई एक अद्भुत यात्रा जो एक दिन मोक्ष महल पर पहुंचाएगी।

गुरु के प्रति अनन्य भक्ति से ओत प्रोत भाई अर्पित शुरू से ही सेवा भावी रहे और अध्यन भी अत्यंत गहराई से करते थे।आचार्य संघ विहार करते मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल पहुंचा जहां लालघाटी जैन नगर में नेमीनाथ भगवान के समक्ष 12 जुलाई 2014 को बालक अर्पित ने ब्रह्मचर्य व्रत ग्रहण किया। और बालब्रह्मचारी अर्पित से जाने जाने लगे। शांत सरल बालक की धार्मिक लगन और दिगंबरत्व की भावना से बहुत जल्दी फलीभूत हुई और सन 2015 के भीलवाड़ा (राजस्थान) चातुर्मास में 29 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन गुरु कृपा वर्षी और वस्त्रों की नगरी में ही वस्त्रों का त्याग करके मुनि पद को प्राप्त किया। गुरु ने आपका नाम रखा श्रमण मुनि सर्वार्थ सागर महामुनिराज। तब से आप अपने महाव्रतों की साधना में तल्लीन रहे। साथ ही गुरु देव की ही सानिध्य में महान महान ग्रंथों का अध्यन भी कर रहे। सरल शांत सौम्य मूर्ति पूज्य मुनि श्री सर्वार्थ सागर जी सदैव जिनधर्म की प्रभावना में तत्पर रहते है। साथ ही वैयवृत्ती में भी अग्रणी रहते हैं।

आपकी विचित्र बातें अत्यंत लोकप्रिय है। जो सबको मंत्रमुग्ध कर देती हैं। साथ ही आपकी प्रवचन शैली भी ओजस्वी है। जो छोटे छोटे सूत्रों के माध्यम से सबको उत्थान का मार्ग देती है। आपकी प्रेरणा से विचित्र बातें आज जैन धर्म की अभूतपूर्व प्रभावना सोशल मीडिया के माध्यम से कर रहा है। जिससे जैन ही नहीं जैनेतर भी अत्यंत प्रभावित है।

अपने गुरु के साथ आप दीक्षा से लेकर अभी तक लगभग 50 हजार किलोमीटर का विहार कर चुके हैं।

-**अभिषेक अशोक पाटील**

जैन पर्व अनुशीलन राष्ट्रीय विद्वत् संगोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न

जैन पर्व विशुद्धि के लिए होते हैं, ये हमें जोड़ना सिखाते हैं : श्रुत संवेगी मुनि श्री आदित्यसागर जी महाराज

हाथ पैर धोकर, मन साफ करके मंदिर में प्रवेश करें : मुनिश्री

विद्वानों ने अनेक पर्वों पर प्रस्तुत किए महत्वपूर्ण शोधालेख

कोटा/राजस्थान (विश्व परिवार)। परम पूज्य श्रुत संवेगी मुनि श्री आदित्यसागर जी महाराज, मुनि श्री सहजसागर जी महाराज, मुनि श्री अप्रमित सागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री श्रेयससागर जी के सान्निध्य में डॉ श्रेयांस कुमार जी जैन बड़ौत के निर्देशन व पंडित विनोद कुमारजी जैन रजवांस के संयोजन में ऋद्धि-सिद्धी नगर कोटा राजस्थान में 24 से 26 अगस्त 2024 तक जैन पर्व अनुशीलन राष्ट्रीय विद्वत् संगोष्ठी का त्रिदिवसीय आयोजन सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। संगोष्ठी में तीन दिनों में छह सत्रों का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता डॉ श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत, प्रोफेसर अशोक कुमार जैन वाराणसी, डॉ शीतल चन्द्र जैन जयपुर, प्रोफेसर श्रीयांस सिंघई जयपुर, ब्र. धर्मेंद्र भैया छतरपुर, डॉ श्रेयांस कुमार जैन ने की तथा सत्र संचालन पंडित विनोद कुमार जैन रजवांस, डॉ सुनील जैन संचय ललितपुर, डॉ आशीष शास्त्री बम्होरी, डॉ अशीष आचार्य सागर, डॉ पंकज जैन इंदौर, पंडित विनोद कुमार जैन ने किया।

तीन दिनों में इस संगोष्ठी में डॉ श्रेयांस कुमार जैन बडौत, डॉ शीतल चंद्र जैन जयपुर, ब्र. जय कुमार निशांत टीकमगढ़, डॉ नरेंद्र कुमार जैन टीकमगढ़, प्रोफेसर श्रीयांस सिंघई जयपुर, प्रोफेसर अशोक कुमार जैन वाराणसी, पंडित विनोद कुमार जैन रजवांस, ब्र. विनोद भैया छतरपुर, डॉ ज्योति जैन खतौली, डॉ. ब्र. धर्मेंद्र भैया जयपुर, प्रोफेसर अनेकांत कुमार जैन दिल्ली, डॉ ज्योति बाबू जैन उदयपुर, डॉ सुनील जैन संचय ललितपुर, डॉ पंकज जैन इंदौर, डॉ आशीष जैन आचार्य सागर, डॉ आशीष जैन शिक्षाचार्य दमोह, डॉ आशीष शास्त्री बम्होरी, डॉ बाहुबली जैन इंदौर, डॉ सोनल कुमार जैन दिल्ली, डॉ सुमत जैन उदयपुर, पंडित अंकित जैन मड़देवरा, पंडित वीरेंद्र जैन मारवाड़ा कोटा ने दसलक्षण महापर्व, अष्टान्हिका पर्व, अष्टमी चतुर्दशी पर्व, रक्षाबंधन पर्व, होली पर्व, दशहरा, महावीर जयंती, अक्षय तृतीया, चातुर्मास एवं पर्व की विशिष्टता आदि विषयों पर अपने शोधालेख प्रस्तुत किए। जिनमें अनेक तथ्य निकलकर आए, कई नई बातें, नई खोज सामने आईं। सर्वश्रेष्ठ आलेख के लिए सम्मानित हुए डॉ. सुनील जैन संचय : त्रिदिवसीय संगोष्ठी में सर्वश्रेष्ठ आलेख प्रस्तुति के लिए डॉ. सुनील जैन संचय ललितपुर के नाम की घोषणा खुद मुनि श्री आदित्यसागर जी महाराज ने अपने मुखारविंद से की। इसके लिए डॉ सुनील संचय को सम्मानित किया गया।

इस मौके पर श्रुत संवेगी मुनि श्री आदित्यसागर जी महाराज ने अपने समीक्षात्मक प्रवचनों में कहा कि विद्वानों के बीच बैठकर आगम की चर्चा सुनना पुण्यात्मा जीव को ही प्राप्त होता है। ज्ञान के यज्ञ का पर्व है संगोष्ठी। जैन पर्व विशुद्धि के लिए होते हैं भीड़ के लिए नहीं।जिनवाणी में किसी भी प्रकार की विकृति कतई स्वीकार नहीं।आज सुगन्ध दसमी चमक दशमी बन गई है। आज प्रत्येक मंदिर के बाहर यह लिखा होना चाहिए कि- हाथ पैर धोकर, मन साफ करके मंदिर में प्रवेश करें। जैन समाज को हर जगह अपने स्कूल खोलना चाहिए, इसी से हमारी संस्कृति सुरक्षित होगी। पर्वों में आज अनेक विकृतियां आ गयी हैं। आधुनिकता वास्तव में आध्यात्मिकता की घातक है।

आधुनिकता ने किया धर्म का नाश : मुनिश्री बोले- आधुनिकता ने धर्म का नाश कर दिया। अष्टान्हिका जैसा पर्व ढिक-चिक में समाप्त हो जाता है। चातुर्मास धर्म के उद्देश्य से होना चाहिए न कि धन संग्रह के लिए। दसलक्षण पर्व भी अनेक विकृतियों से घिरता जा रहा है, इससे बचना चाहिए।

पर्व का जैसा स्वरुप है वैसा मानना चाहिए। पर्व का अर्थ होता है जोड़ना। पर्वों में शुद्ध भोजन स्वयं करें और दूसरों को भी कराएं। श्रुत पंचमी श्रमणों की शिक्षा का पर्व है। पूर्वाचार्यों की संपत्ति का संरक्षण होना चाहिए। साधु वात्सल्य बनाए रखेंगे तभी श्रुत पंचमी पर्व की सार्थकता है। जो दूसरे के लिए लिखा जाय वह ग्रन्थि है जो स्वयं के लिए लिखा जाय वह ग्रंथ है। साधुओं का एक सम्मेलन हो : मेरी भावना है कि एक ऐसा सम्मेलन हो जिसमें सभी साधु एक मंच पर हों। मिथ्यात्व से बचाने के लिए नया मिथ्यात्व न खड़ा किया जाय। मुनिश्री ने इस संगोष्ठी की अपनी उपलब्धि बताते हुए कहा कि मैं पर्व रहस्य कृति प्राकृत भाषा में लिखूंगा और उसमें संगोष्ठी के आलेखों को कोड करूंगा। इस मौके पर आयोजन समिति के अध्यक्ष राजेंद्र जैन गोधा, महामंत्री पारस जैन बज एवं अन्य पदाधिकारियों ने सभी विद्वानों का तिलक, माला, साहित्य, स्मृति चिह्न आदि के द्वारा भावभीना सम्मान किया। शास्त्रि-परिषद के नव निर्वाचित सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने मुनिश्री को श्रीफल भेंटकर आशीर्वाद ग्रहण किया।

गणाचार्य विरागसागर जी विनयांजलि विशेषांक का हुआ विमोचन : इस मौके पर अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्रि-परिषद के बुलेटिन के गणाचार्य श्री विरागसागर जी महाराज विनयांजलि विशेषांक का विमोचन किया गया। विशेषांक का कुशल संपादन डॉ सुनील जैन संचय ललितपुर ने किया है। -**सुनील संचय**

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर गुरूवार 29 अगस्त 2024

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आम लोगों की समस्याएं

मोहला(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री एस जयवर्धन ने जिला कार्यालय में आज आयोजित कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम में जिले के विभिन्न स्थानों से पहुँचे लोगों से मुलाकात कर उनके मांगों एवं समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को तलब कर आम लोगों के मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर जनदर्शन में आज 22 आवेदन प्राप्त हुए प्राप्त सभी आवेदनों को ऑनलाइन पंजीयन करने के साथ ही संबंधित विभाग में भेजे जाने की कार्यवाही की जा रही है। जनदर्शन में आज मानपुर वि.ख. के ग्राम जक्के के समस्त ग्रामवासीयों ने जक्के से कमानसुर तक प्रधानमंत्री सड़क बनवाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। ग्रामवासीयों ने आवेदन देते हुए बताया की ग्रामीण जनों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया की उप स्वास्थ्य केन्द्र कमानसूर 6-7 किमी दुर पर सड़क हेतु उचित मार्ग प्रधानमंत्री सड़क बन जाता तो ग्रामीण जनों को आवागमन में परेशानी नही होगी। उन्होंने जल्द-से-जल्द शासन प्रशासन से समस्या का निराकरण करने की मांग की है। इसी प्रकार वि.ख मोहला के ग्राम मोतीपुर हाईस्कुल में सायकल स्टैण्ड निर्माण को लेकर आवेदन दिया। इसी तरह अं.चौकी वि.ख. अंतर्गत कोरचाटोला के समस्त ग्रामवासी ने गांव में सेवा सहकारी समिति धान उपार्जन केन्द्र खोले जाने के संबंध में आवेदन दिया। इसी तरह ग्राम पंचायत बागनारा के सरपंच ने शासकीय भूमि पर अतिक्रमण हटाने के संबंध में आवेदन प्रेषित किया। जनदर्शन में आज जिले के विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में आम नागरिक अपने मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु जिला कार्यालय पहुँचे थे। कलेक्टर श्री एस जयवर्धन ने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों से बारी-बारी से मुलाकात कर उनके मांगों एवं समस्याओं की जानकारी ली।

शिकायत पर पूछताछ करने गए आरक्षक से मारपीट

कोरबा(विश्व परिवार)। बांगों थाना अंतर्गत मोरगा चौकी में कार्यरत आरक्षक क्रमक 511 सुधाकर कुर्रे से मारपीट करने और ऑन ड्यूटी आरक्षक की वर्दी फाड़ने की घटना सामने आई है। प्रार्थी आरक्षक सुधाकर कुर्रे की रिपोर्ट पर बिहारीलाल बिंझवार के विरुद्ध धारा 296, 121(1), 132, 221 ब्नहस् के तहत जुर्म दर्ज कर विवेचना की जा रही है। बताया जा रहा हैं कि आरक्षक क्र. 511 सुधाकर कुर्रे चौकी मोरगा में कार्यरत रहकर वर्तमान में डायल 112 बांगो कोरबा -01 चोटिया में ड्यूटी कर रहा है। 23 अगस्त को शाम करीब 6:35 बजे कॉलर सुनील कुमार बिंझवार निवासी कापा नवापारा ने सूचना दिया कि बिहारी लाल बिंझवार गाली-गलौच कर मारने के लिए आया है। सूचना पर डायल 112 वाहन ष्टत्र 03 ङ्क 7202 में चालक नीरज पाण्डे के साथ कापा नवापारा 6:43 बजे पहुंचकर सुनील कुमार बिंझवार को बुलाकर उससे पूछताछ कर बिहारी लाल बिंझवार को तलब करने उसके साथ आरक्षक सुधाकर गया था. बिहारी लाल बिंझवार को उसके घर के बाहर आंगन में आवाज देकर आरक्षक ने बुलाया तब बिहारी लाल घर से बाहर आंगन में आया। उससे सुनील को गाली-गलौच क्यों कर रहे हो, पूछने पर इंकार किया फिर कहा कि तुम मुझे पकड़ने आये हो, कहकर आरक्षक को गाली-गलौच करते हुए हाथ-झापड़ से मारपीट कर वर्दी के कमीज को पकड़कर फाड़ दिया। इस दौरान कॉलर सुनील कुमार बिंझवार एवं चालक नीरज पाण्डे ने बीच बचाव कर छुड़ाया। आरक्षक की रिपोर्ट पर मामला बिहारी लाल बिंझवार के विरुद्ध दर्ज कर लिया गया है।

भगवान विष्णु ने लिए श्रीकृष्ण के रूप में अवतार, दिखाई अनेक लीलाएं-रंजना

धमतरी(विश्व परिवार)। बड़े ही हर्षोल्लास के साथ कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव मनाया गया, श्री हनुमान सेवा समिति बठेना वार्ड धमतरी के द्वारा जन्माष्टमी उत्सव पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू शामिल हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वार्ड पार्षद श्यामलाल नेताम ने किया। सर्वप्रथम भगवान श्री कृष्ण की पूजा अर्चना कर श्रीमती साहू ने समस्त क्षेत्र की सुख समृद्धि खुशहाली की कामना किए। मंचस्थ होने उपरांत वार्ड वासियों एवं समिति के द्वारा आए हुए सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत अभिनंदन किया गया। रंजना साहू ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए सर्वप्रथम भगवान श्री कृष्ण की जन्माष्टमी महापर्व की बधाई दिए एवं कहा कि जब असुरों ने पृथ्वी पर मानव जीवन को हाहाकार मचा कर सताने लगे तब पालनहार श्री हरि विष्णु जी ने माता देवकी की कोख से श्रीकृष्ण रुप में अष्टमी के दिन जन्म लिए, और अनेक लीलाएं दिखाई। भगवान श्री कृष्ण सभी के आराध्य देव हैं जिन्होंने मानव समाज में प्रेम मित्रता का संदेश दिए।

कलेक्टर कुणाल ने नगरीय निकाय व पंचायत चुनाव और डिजिटल सर्वेक्षण पर दिए महत्वपूर्ण निर्देश

त्रिस्तरीय पंचायत व नगरीय निकाय चुनाव की तैयारी

कोंडागांव(विश्व परिवार)। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने मंगलवार को आयोजित समय-सीमा बैठक में जिले के विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे, जिसमें त्रि-स्तरीय पंचायतों और नगरीय निकायों के आम निर्वाचन हेतु आरक्षण के संबंध में अन्य पिछड़ा वर्ग के सर्वेक्षण कार्य पर विशेष चर्चा की गई। कलेक्टर दुदावत ने बैठक में त्रिस्तरीय पंचायतों और नगरीय निकायों के आगामी आम चुनाव के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण के संबंध में सर्वेक्षण कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। इस सर्वेक्षण कार्य को 5 सितंबर तक पूरा करने के लिए नगर पालिका और सभी जनपद सीईओ को निर्देशित किया साथ ही कलेक्टर ने इस

सर्वेक्षण कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के लिए संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। जिले में खरीफ फसल 2023-24 के लिए कोंडागांव तहसील के पांच गांवों में फसलों का डिजिटल सर्वेक्षण एप के माध्यम से किया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर ने कोंडागांव तहसीलदार को निर्देशित किया है। किसान स्वयं भी अपने मोबाइल एप के माध्यम से फसल का डिजिटल सर्वेक्षण कर सकते हैं। यह पहल जिले में कृषि कार्यों के डिजिटलीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कलेक्टर दुदावत ने जिले के अंतिम छोर तक संचार क्रांति को दुरुस्त करने की दिशा में भी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने नेटवर्क विहीन क्षेत्रों की जानकारी सीईओ जनपदों से मांगी है ताकि इन क्षेत्रों में भी संचार सुविधाओं को सुदृढ़ किया जा सके। बैठक के दौरान कलेक्टर ने नक्सल मुक्त हुए क्षेत्रों में प्रगति रत सड़कों की जानकारी ली। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को मिशन मोड में कार्य करने के निर्देश दिए ताकि इन क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति दी जा सके। इसके अलावा इन क्षेत्रों के विकास के लिए पंचायतों में पखवाड़ा चलाने के निर्देश भी दिए गए हैं, जिससे लोग आधार कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, आयुष्मान कार्ड और बैंकिंग आदि सुविधाओं का लाभ उठा सकें। कलेक्टर ने जिले में शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए स्कूलों में शिक्षकों की स्थिति की जानकारी ली। साथ ही 'उल्लास' कार्यक्रम के तहत असाक्षरों को साक्षर बनाने के लिए किए जा रहे सर्वेक्षण की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने इस सर्वेक्षण को शीघ्रता से पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा नवोदय परीक्षा में सम्मिलित होने वाले बच्चों की जानकारी मांगी और अधिक से अधिक बच्चों को इस परीक्षा में शामिल करने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया। साथ ही कलेक्टर ने पोषण युक्त भोजन नेवता भोज की जानकारी भी ली। उन्होंने इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि वे सुनिश्चित करें कि न्योता भोज के तहत दी जा रही आहार पोषण युक्त हो।

सातों विकासखण्डों में सूरजमुखी फसल को बढ़ावा देने पर दिया जाए जोर : कलेक्टर

जगदलपुर(विश्व परिवार)। कलेक्टर विजय दयाराम के. ने कहा कि जिले के सातों विकासखण्डों में 700 एकड़ का लक्ष्य लेकर सुरजमुखी के फसल को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाए। उन्होंने जिले के उपजाऊ क्षेत्र में सूरजमुखी फसल को लगवाने की पहल करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारी को दिए। मंगलवार को जिला कार्यालय के प्रेरणा कक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में जन शिकायत, जन चैपाल, समय-सीमा के प्रकरण पर विभागवार चर्चा कर प्रकरण के निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किए। इसके अलावा कलेक्टर ने वनाधिकार मान्यता पत्र के पट्टाधारकों के फौत होने पर वारिसन का नामांतरण करवाने की कार्यवाही में संबंधित विभाग प्राथमिकता दें। कलेक्टर ने बैठक में निर्माणाधिन एसडीएम कार्यालय, तहसील कार्यालय, रेस्ट हाऊस का निर्माण कार्य में देरी के लिए हाऊसिंग बोर्ड, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर कर काम को जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने मुख्य सचिव के निर्देशानुसार जिले में डीजे लगे वाहनों द्वारा ध्वनि प्रदूषण के संबंध वाहनों को जप्त करने की कार्यवाही करने में तेजी दिखाने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत प्रकरण को बैंक से अनुदान दिलवाने विशेष पहल करें। साथ ही सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों के लंबित पेंशन प्रकरणों का तत्काल निराकरण हेतु आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करवाने के निर्देश दिए। बैठक में कृषि एवं संबंद्ध विभागों द्वारा किसान क्रेडिट कार्य का लक्ष्य के आधार कार्यवाही आयलपांम पौधरोपण, रबर प्लांटेशन, बैंक सखी ट्रांजेक्शन प्रोग्रेस रिपोर्ट, लखपति पहल के तहत लखपति दीदी योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति, 2024-25 के लिए पंजीयन, मनरेगा के तहत आंगनबाड़ी और उचित मूल्य की दुकान भवन निर्माण कार्य की भौतिक प्रगति और भवन निर्माण उपरांत संबंधित विभाग को हैण्ड ओवर में देरी के लिए नाराजगी जाहिर किए। इसके अलावा मनरेगा के तहत की जा रही विकास कार्य में अपूर्ण कार्यों का वित्तीय वर्ष के आधार पर समीक्षा की गई। कलेक्टर ने आईजीकेवी और उद्यानिकी विभाग को रबर प्लांट के पौधे तैयार करने के संबंध में निर्देशित किए। बैठक में विशेष केंद्रीय सहायता अंतर्गत स्वीकृत कार्यों, डीएमएफटी अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति की विभागवार एवं जनपदवार समीक्षा की।

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने गंभीरतापूर्वक जनदर्शन में जनसामान्य की समस्याएं एवं शिकायतें सुनी

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज मंगलवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में पहुंचे ग्रामीणों एवं जनसामान्य से मुलाकात कर उनकी शिकायतें एवं समस्याएं गंभीरतापूर्वक सुनी। जिले के ग्रामीणजन और नागरिकों ने जनदर्शन में अपनी समस्याओं को सीधे कलेक्टर के समक्ष रखा। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को जनदर्शन में शासन की योजनाओं से संबंधित प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण करते हुए हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री अग्रवाल को आज जनदर्शन में राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम डीलापहरी के दिव्यांग श्री कुमार वर्मा और ग्राम जोगीदल्ही के दिव्यांग श्री ठाकुर राम निर्मलकर ने प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित करने के लिए आवेदन किया। इसी तरह ग्राम पेटेश्री निवासी श्री गणेश निषाद ने पेंशन योजना से लाभान्वित करने कहा। कौरिनभांठा निवासी श्रीमती संगीता मेश्राम ने राशन कार्ड से नाम विलोपित करने के लिए आवेदन किया। डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम केसली निवासी श्री महावीर कलार ने ऋण पुस्तिका बनाने तथा ग्राम मेढ़ा निवासी श्री संतोष कुमार चक्रधारी ने सीमांकन कराने के लिए आवेदन किया। राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम गातापार निवासी श्री तीजु सोनकर ने मुर्गीपालन और श्रीमती देवबती सोनकर ने बकरी पालन के लिए सहयोग राशि प्रदाय के लिए आवेदन किया। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के साथ निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह, अपर कलेक्टर श्री सीएल मारकण्डेय, अपर कलेक्टर श्रीमती इंदिरा नवीन प्रताप सिंह तोमर, नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक गुप्ता सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहे जाने वाले कमार आदिवासियों के कमारपारा दुगली में बिजली ट्रासफार्मर जर्जर

दो सालों से खराब स्थिति में ट्रांसफार्मर को गत सप्ताह बदला गया मगर नवीन ट्रासफार्मर में भी खराबी,,,

धमतरी(विश्व परिवार)। धमतरी जिले के नगरी ब्लाक की गौरव ग्राम दुगली जहां कभी देश के सबसे युवा प्रधान मंत्री भारत रत्न राजीव गांधी का आगमन हुआ था!अति पिछडी कमार जनजाति समाज की संरक्षण,और आर्थिक सामाजिक शैक्षणिक दृष्टि से उनकी विकास को लेकर और जनजीवन शैली को परखने गौरव ग्राम दुगली के कमारों के बीच पहुंचे थे!ऐसा एतिहासिक गांव और महामहिम राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहे जाने वाले कमार जनजाति की ग्राम दुगली कमारपारा में विगत दो सालों से ट्रांसफार्मर जर्जर स्थिति में है जिनको गत सप्ताह नवीन ट्रांसफार्मर भी बिजली विभाग के कर्मचारियों ने लगाया था मगर ओ भी जर्जर स्थिति रहने से ग्रामिणों को मुलभूत समस्या से गुजरना पड रहा है!वहीं पूरे देश में पिछडी जनजातियों की विकास के लिए महत्वपूर्ण योजना जनमन के तहत कमार परिवारों को निरंतर विकास की धारा से जोडने का प्रयास किया जा रहा है वहीं इस महत्वपूर्ण समस्या को लेकर गांव के ग्रामीण सहित पंचायत प्रतिनिधि, सोसल वर्कर सुरेन्द्र राज ध्रुव ने विभागिय अधिकारी कर्मचारियों से समस्या निदान की मांग की है!

जनमन शिविर में रामकुमारी कमार का बना राशनकार्ड

गरियाबंद(विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम- जनमन) के अंतर्गत जिले में विशेष पिछड़ी शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर जिले के 199 विशेष पिछड़ी जनजाति बसाहटों में किया जा रहा है। शिविर के माध्यम से पीवीटीजी कमार सदस्यों को मूलभूत सुविधाओं राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, पीएम आवास, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, वन अधकार पट्टा एवं पीएम किसान सम्मान निधि आदि योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज फिंगेश्वर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत गुण्डरदेही में आयोजित शिविर में ग्राम नाचनबाय की विशेष पिछड़ी जनजाति कमार सदस्य श्रीमती रामकुमारी का मौके पर ही राशनकार्ड बन गया। शिविर में मौजूद विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों ने उन्हें राशनकार्ड सौप दिया। विकासखण्ड या जिला मुख्यालय जाय बिना ही ग्राम पंचायत के शिविर में ही राशनकार्ड बन जाने से रामकुमारी ने खुशी जताते हुए शासन-प्रशासन का आभार जताया। अब उन्हें प्रतिमाह पात्रतानुसार शासन द्वारा प्रदाय किये जाने वाले चावल, शक्कर एवं नमक आदि खाद्यान्न सामग्री शासकीय उचित मूल्य दुकान से प्राप्त होगी। साथ ही उन्हें मंहगे दरों पर बाजार से चावल लेने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। जनमन शिविरों में पीवीटीजी सदस्यों को विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं से लाभान्वित किया गया। इसी कड़ी में 28 अगस्त को जिले के 19 कमार बसाहट गांवों में शिविर का आयोजन किया जायेगा। इनमें जनपद पंचायत गरियाबंद अंतर्गत ग्राम खरता, खुर्सीपार, हसौदा, कोदोबतर एवं टेंवारी में शिविर आयोजित की जोयेगी। इसी प्रकार जनपद पंचायत छुरा के ग्राम कुड़ेरादादर, खट्टी, मड़ेली, सुरंगपानी, मुड़ागांव एवं मुढीपानी में शिविर लगेगी। जनपद पंचायत फिंगेश्वर अंतर्गत ग्राम हथखोज एवं खैरझिटी तथा जनपद पंचायत मैनपुर अंतर्गत ग्राम कोयबा, भाठापानी एवं कुहीमाल में शिविर का आयोजन किया जायेगा। कलेक्टर श्री दीपक अग्रवाल ने शिविरों के सुचारू आयोजन के लिए नोडल अधिकारियों को शिविर स्थलों के निरीक्षण के निर्देश दिए है। विभिन्न विभागों के जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी-कर्मचारियों को शिविर स्थलों में जाकर पीएम जनमन के तहत लोगों को लाभान्वित करने में आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग करने के निर्देश दिए है। पीएम जनमन के तहत आयोजित किये जाने वाले यह शिविर विभिन्न तिथियों में जिले के विभिन्न गांवों में आयोजित की जा रही है।

कृष्ण जन्माष्टमी के कार्यक्रम में विधायक टेकाम हुए शामिल

कोण्डागांव(विश्व परिवार)। केशकाल के टाटामारी इको टूरिज्म स्थल पर कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर सोमवार को एक भव्य मेला का आयोजन किया गया, जहाँ आस पास के स्थानीय नागरिकों और व्यपारियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस आयोजन में कृष्ण लीला के प्रसंगों का जीवंत प्रदर्शन किया गया, जिससे वहाँ उपस्थित हजारों श्रद्धालु भक्त भाव-विभोर हो गए। विधायक नीलकंठ टेकाम ने इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण के छायाचित्र की विधिवत पूजा की और आम जनता की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर महिला समूह द्वारा तैयार किए गए व्यंजनों का भी स्वाद लिया और उनके इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि हमारी परंपराओं को जीवित रखने में महिलाओं का योगदान महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में विधायक नीलकंठ टेकाम ने मटकी फोड़

प्रतियोगिता में भाग लिया और मटकी फोड़कर इस पारंपरिक उत्सव को और भी खास बना दिया, साथ ही टाटामारी इको टूरिज्म स्थल पर बने सेल्फी पॉइंट ने भी इस आयोजन में एक विशेष आकर्षण जोड़ा। विधायक टेकाम ने इस मौके पर सेल्फी पॉइंट पर फोटो खिंचवाकर युवाओं के बीच इस स्थान को और भी लोकप्रिय बना दिया। यह स्थल अब पर्यटकों के लिए एक पसंदीदा स्थान बनता जा रहा है, जहाँ लोग अपनी यादें संजोने के लिए आते हैं। विधायक नीलकंठ टेकाम ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया और सभी उपस्थित लोगों से इस अभियान में जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि पौधरोपण केवल पर्यावरण की रक्षा नहीं करता बल्कि यह हमारे आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरा-भरा और स्वच्छ वातावरण भी प्रदान करता है। इस अभियान के माध्यम से हम अपनी माँ के प्रति श्रद्धा और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी को भी व्यक्त कर सकते हैं। एक पेड़ माँ के नाम अभियान का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति को अपनी माँ के नाम पर एक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करना है। यह पहल न केवल वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करती है, बल्कि यह लोगों को उनके माता-पिता और प्रकृति के प्रति उनके कर्तव्यों का भी एहसास कराती है। इस अभियान के माध्यम से हजारों पेड़ लगाए जा चुके हैं और इस दिशा में लोगों की भागीदारी को और बढ़ाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रतिनिधिगण और हजारों की संख्या में उपस्थित स्थानीय लोगों ने भी अपनी सहभागिता दी। इस अवसर पर अध्यक्ष नगर पंचायत केशकाल रोशन जमीर खान, उपाध्यक्ष नगर पंचायत केशकाल बिहारीदास शोरी, वनमंडलाधिकारी केशकाल एन. गुरुनाथन, जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, एसडीएम केशकाल अंकित चौहान सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ नागरिक और अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

व्यापार समाचार

सेबी की तरफ से कोई नया नोटिस नहीं, वार्षिक वित्तीय परिणामों में दी जा चुकी है जानकारी : पेटीएम

नई दिल्ली(एजेंसी)। पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने कहा कि उसे भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की ओर से कोई नया नोटिस नहीं मिला है। कंपनी ने अपने पिछले वार्षिक वित्तीय परिणामों में पहले ही इसका खुलासा कर दिया है। पेटीएम ने कहा कि उसने इस मसले पर आरंभिक प्रतिक्रिया दे दी है, और सेबी के साथ नियमित रूप से संवाद कर इसके संबंध में आवश्यक रेप्रेज़ेंटेशन दे रहा है। कंपनी ने आगे बताया कि उसने 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही और वित्त वर्ष के साथ-साथ 30 जून 2024 को समाप्त तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणामों में सेबी के नोटिस से संबंधित प्रासंगिक खुलासे किए हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, कंपनी को मार्च 2024 को समाप्त तिमाही के दौरान नोटिस मिला, और उसने पहले ही आरंभिक प्रतिक्रिया के माध्यम से मामले को संबोधित कर लिया है। पेटीएम ने कहा कि वह वर्तमान में इस मामले में सेबी से और जानकारी मांगने की प्रक्रिया में है। कंपनी की ऑडिटर समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रबंधन द्वारा प्राप्त एक स्वतंत्र कानूनी राय के आधार पर, कंपनी का मानना है कि वह संबंधित नियमों का अनुपालन कर रही है। पेटीएम ने बीएसई को बताया कि वह इस मामले पर बाजार नियामक के साथ नियमित रूप से संवाद कर रही है। बीएसई को दिये गये स्पष्टीकरण में कहा गया है, कंपनी (पेटीएम) भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ नियमित रूप से संवाद कर रही है और इस मामले में आवश्यक प्रतिनिधित्व कर रही है। तदनुसार, 30 जून 2024 और 31 मार्च 2024 को समाप्त पिछली तिमाहियों के वित्तीय परिणामों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। पहले कई रिपोर्टों में उल्लेख किया गया था कि सेबी ने नवंबर 2021 में कंपनी की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के दौरान तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत करने के आरोप में पेटीएम के संस्थापक और सीईओ विजय शेखर शर्मा और वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के पूर्व बोर्ड सदस्यों को नये सिरे से कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। इन खबरों के बाद पेटीएम के शेयरों में सोमवार को कारोबार के दौरान एक समय नौ प्रतिशत तक की गिरावट आई और यह 4.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 530 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुआ। बारह महीने के विश्लेषक मूल्य लक्ष्यों का औसत 16 प्रतिशत की संभावित गिरावट का संकेत देता है। शर्मा वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के संस्थापक और सीईओ हैं, लेकिन स्टॉक एक्सचेंज के खुलासे के अनुसार, उन्हें प्रमोटर के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया है। नॉन रिटायरिंग निदेशक के रूप में शर्मा कंपनी के बोर्ड की अध्यक्षता करते हैं और यदि उनके पास कम से कम 2.5 प्रतिशत हिस्सेदारी है, तो उन्हें बोर्ड की सदस्यता का अधिकार है। यदि उन्हें प्रमोटर के रूप में वर्गीकृत किया जाता, तो उन्हें ईएसओपी भी नहीं मिलता।

विंडसर में मिलेगा अपने सेगमेंट का सबसे बड़ा 15 .6 इंच का 'ग्रैंडव्यू टच डिस्प्ले'

रायपुर। JSW MG मोटर इंडिया ने जल्द लॉन्च होने वाले भारत के पहले इंटेलिजेंट क्रॉसओवर यूटिलिटी व्हीकल [CUV] एमजी विंडसर का एक नया टीज़र जारी किया है। इस नए वीडियो में विंडसर के 15.6 इंच के शानदार 'ग्रैंडव्यू टच डिस्प्ले' को दिखाया गया है। स्न्न विंडसर का यह विशाल डिस्प्ले इस सेगमेंट में एक अलग बेंचमार्क स्थापित करता है। इस विशाल स्क्रीन साइज़ की मदद से यात्री आसानी से नेविगेट कर सकते हैं, एंटरटेनमेंट का मजा उठा सकते हैं, साथ ही आसानी से वाहन की सेटिंग को एडजस्ट कर सकते हैं। स्न्न विंडसर की 15.6 इंच की टचस्क्रीन को आपके कार चलाने के अनुभव को नए सिरे से परिभाषित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह कार खड़ी हो, तब यह टचस्क्रीन आपके कार में बैठने के अनुभव को और भी बेहतरीन बनाते हुए, इस कार को एक एंटरटेनमेंट, गेमिंग और लर्निंग हब में बदल देता है। 15.6 इंच का यह 'ग्रैंडव्यू टच डिस्प्ले' केबिन को और भी खूबसूरत बनाते हुए कार को लग्जरी लुक प्रदान करता है, जिससे इसके साथ आपका हर सफ़र और भी मजेदार बन जाता है। कार की यह टचस्क्रीन विंडसर के खूबसूरत डिजाइन से पूरी तरह से मेल खाता है। कार का यह लुक भारतीय ग्राहकों को प्रीमियमनेस, स्टाइल और कंफर्ट का बेजोड़ संगम प्रदान करता है। यह नई MG विंडसर ब्रिटेन के प्रतिष्ठित विंडसर कैसल से प्रेरित है। वास्तुशिल्प का यह बेजोड़ नमूना ब्रिटेन की शाही विरासत का प्रतीक भी है। MG विंडसर इस पुराने कैसल की तरह ही बेहतरीन शिल्प कौशल और उत्कृष्टता के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है।

मिश्रित वैश्विक संकेतों के चलते सपाट खुला भारतीय शेयर बाजार

मुंबई(एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को मिश्रित वैश्विक संकेतों के चलते सपाट खुला। बाजार में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। सुबह 9ः17 पर सेंसेक्स 48 अंक की तेजी के साथ 81,746 और निफ्टी 17 अंक की मामूली बढ़त के साथ 25,027 पर था। बाजार का रुझान सकारात्मक बना हुआ है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 1,299 शेयर हरे निशान में और 654 शेयर लाल निशान में हैं। कारोबार की शुरुआत में लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में खरीदारी का ट्रेंड देखने को मिल रहा है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 185 अंक या 0.32 प्रतिशत की तेजी के साथ 59,117 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 51 अंक या 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,183 पर था। सेक्टर के हिसाब से देखें तो आईटी, पीएसयू बैंक, फार्मा, एफएमसीजी, मीडिया और पीएसई एनएसई पर सबसे ज्यादा बढ़ने वाले इंडेक्स हैं। फिन सर्विस, ऑटो, मेटल और रियल्टी इंडेक्स पर दबाव था। सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, एलएंडटी, पावर ग्रिड, इन्फोसिस, नेस्ले, अल्ट्राटेक सीमेंट, सनफार्मा, आईटीसी, टाइटन, बजाज फिनसर्व और विप्रो टॉप गेनर्स हैं। कोटक महिंद्रा बैंक, एमएंडएम, एचडीएफसी बैंक और इंडसइंड बैंक टॉप लूजर्स हैं। टोक्यो को छोड़कर करीब सभी एशियाई बाजारों में गिरावट है। शंघाई, हांगकांग, बैंकॉक, सोल और जकार्ता लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। अमेरिकी बाजार सोमवार को मिलेजुले बंद हुए थे। बाजार के जानकारों का कहना है कि बाजार के लिए इस समय नकारात्मक और सकारात्मक दोनों फैक्टर्स काम कर रहे हैं। सकारात्मक फैक्टर यह है कि अमेरिकी फेड की ओर से ब्याज दरों में कमी के संकेत दिए जा चुके हैं।

राजनीति और बालीवुड में जाने को लेकर पूछे गए सवाल पर मनु भाकर ने दिया ये जवाब, बोली अब बस...

चरखी दादरी(एजेंसी)। ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली शूटर मनु भाकर के लिए उनके ननिहाल चरखी दादरी में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान उनका भव्य स्वागत हुआ। मनु भाकर ने कहा कि इस सम्मान को वह ताउम्र याद रखेंगी। उन्होंने कहा कि वह राजनीति में नहीं आएंगी, बल्कि ओलंपिक में गोल्ड जीतने के लिए मेहनत करेंगी। खेल पर ध्यान देते हुए ओलंपिक में गोल्ड पर निशाना लगाना ही उनका लक्ष्य है। मनु भाकर ने युवाओं से आह्वान किया कि वे पढ़ाई के साथ खेलों पर भी ध्यान दें और देश के लिए मेडल जीतने का टारगेट रखें। उन्होंने विनेश फोगाट मामले पर कहा कि विनेश की भावना फाइटर की तरह रही है, विनेश को सबक लेना चाहिए और मेडल जीतने के लिए फिर से मैदान में उतरना चाहिए। सम्मान समारोह में पूर्व मंत्री सतपाल सांगवान, अंतरराष्ट्रीय रेसलर व भाजपा नेता बबीता फोगाट, पूर्व विधायक रणवीर मंडोला, पूर्व विधायक कर्नल रघुबीर छिल्लर सहित कई राजनेताओं ने मनु को सम्मानित किया। मनु भाकर ने कहा कि उनका ध्यान सिर्फ देश के लिए गोल्ड जीतने का है और वह अभी राजनीति नहीं करेंगी। उन्होंने कहा कि ब्रॉन्ज मेडल तक का सपना सुहाना रहा है, अब मेहनत के बूते गोल्ड जीतकर ही सपना पूरा करूंगी। इससे पहले, रविवार को मनु भाकर ने अपने गांव गोरिया में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा था कि वह बॉलीवुड में जाने की योजना नहीं बना रही हैं। उन्होंने कहा कि अभी उनका पूरा ध्यान खेल पर है और वह एक्टिंग के बारे में नहीं सोच रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल उनका कोई इरादा बॉलीवुड में जाने का नहीं है और वह अपने खेल पर फोकस करेंगी। बता दें कि मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक 2024 में 10 मीटर एयर पिस्टल और 10 मीटर मिक्सड डबल्स में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा है। एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली वह पहली भारतीय एथलीट हैं। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में 221.7 का स्कोर बनाकर तीसरा स्थान हासिल किया था। मनु भाकर ने ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बनने का गौरव हासिल किया है।

2024 चीन-तिब्बत पांचवीं ट्रांस-हिमालयन साइक्लिंग रेस का ल्हासा खंड शुरू

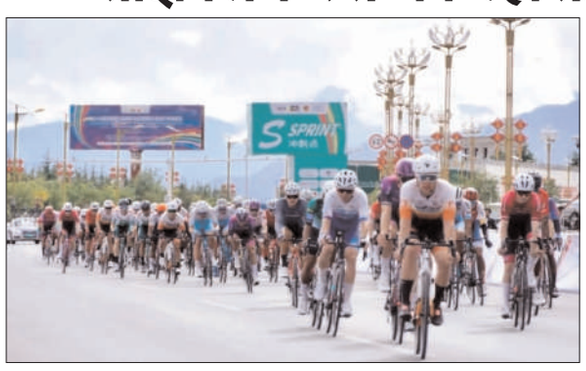

बीजिंग(एजेंसी)। इस साल 2024 चीन-तिब्बत पांचवीं ट्रांस-हिमालयन इंटरनेशनल रोड साइक्लिंग एक्सट्रीम रेस का दूसरा चरण ल्हासा में 24 अगस्त को शुरू हुआ। कुल 10 विदेशी और 12 घरेलू साइक्लिंग टीमों के 150 से अधिक एथलीटों ने यहां 90.34 किलोमीटर की चरम साइक्लिंग चुनौती में भाग लिया। ल्हासा खंड तिब्बत के संग्रहालय से शुरू होता है। यह ल्हासा नदी और चिन च्वू ईस्ट रोड, यिंगछिन ब्रिज और लिएशिन ब्रिज से होकर गुजरता है। दस-लैप की भयंकर प्रतियोगिता में, छडतू इंटरकांटिनेंटल टीम के रिकुनोव पेट्र ने इस चरण में पहला स्थान जीता। सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया ल्हासा खंड का मार्ग ल्हासा नदी के किनारे सांस्कृतिक दृश्यों को रेखांकित करता है और शुरुआती शरद ऋतु में ल्हासा की सुंदरता को दर्शाता है। इस प्रतियोगिता में दूसरे स्थान पर रहे, बर्गोस बीएच प्रोफेशनल टीम के गेट आरोन मरे ने इस बारे में गहराई से महसूस किया। उन्होंने कहा कि तिब्बत बहुत सुंदर है और मैं इस विशेष स्थान पर इन घाटियों और महलों को देखने में सक्षम होने के लिए बहुत आभारी हूं। एथलीटों के लिए सुचारू प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए ल्हासा खंड में गश्ती चिकित्सा सेवाएं स्थापित की गईं।

महाराजा ट्रॉफी टी20 : चेतन की बदौलत बेंगलुरु ब्लास्टर्स ने मैसूर वॉरियर्स के खिलाफ दर्ज की 56 रनों की जीत

बेंगलुरु(एजेंसी)। बेंगलुरु ब्लास्टर्स ने महाराजा ट्रॉफी केएससीए टी20 में मैसूर वॉरियर्स को 56 रनों से हराकर लगातार तीसरी और टूर्नामेंट में अपनी पांचवीं जीत दर्ज की। चेतन एलआर ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में केवल 53 गेंदों में 88 रनों की धमाकेदार पारी खेलकर बेंगलुरु ब्लास्टर्स को 189/7 के स्कोर तक पहुंचाया। इसके बाद शुभांग हेज (3/28) की अगुवाई में बेंगलुरु ने शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन किया। मैसूर वॉरियर्स को चौथी हार का सामना करना पड़ा। इम्पैक्ट प्लेयर कार्तिक एसयू (26) ने मैसूर के रन चेज की शुरुआत कई बाउंड्री लगाकर की। कार्तिक ने पहले ओवर में संतोक सिंह को एक छक्का और एक चौका लगाया, इसके बाद तीसरे ओवर में दो छक्के और एक चौका लगाया। लेकिन शुभांग हेगड़े के पहले ओवर में शिखर शेट्टी के शानदार कैच ने कार्तिक के आक्रामक खेल को पटरी से उतार दिया। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज लविश कौशल ने छठे और आठवें ओवर में कार्तिक (17) और करुण नायर (13) के महत्वपूर्ण विकेट चटकाए। इस बीच, समित द्रविड़ (5) को क्रांति कुमार ने आउट कर दिया, जिससे मैसूर वॉरियर्स का स्कोर 7.3 ओवर में 65/4 हो गया। हर्शिल धर्मानी (20) और जे सुचित (16) ने कुछ समय के लिए पारी को संभाला और 36 रनों की साझेदारी बनाई। हालांकि, अनिरुद्ध जोशी ने 12वें ओवर में धर्मानी और मनोज भांडगे (0) को आउट करके मैसूर की वापसी को रोक दिया। मैसूर की जीत की संभावनाएं तब और कम हो गईं जब जे सुचित भी चलते बने, जिससे मैसूर का स्कोर 12.4 ओवर में 104/7 हो गया। सुमित कुमार (18*) अंत तक नाबाद रहे, लेकिन पुछल्ले बल्लेबाज जल्दी आउट हो गए। क्रांति कुमार ने गौतम सागर (7) और दीपक देवाडिगा (0) के विकेट लिए, जबकि शुभांग हेगड़े ने के. गौतम (3) को आउट किया। नतीजतन, मैसूर वॉरियर्स 17.5 ओवर में 133 रन पर आउट हो गए। वहीं मयंक अग्रवाल की अनुपस्थिति में, बेंगलुरु ब्लास्टर्स ने पहली पारी में अपने दो शुरुआती विकेट खो दिए थे। निश्चल देगा (0) को पहले ओवर में विद्याधर पाटिल ने गोल्डन डक पर आउट किया, जबकि निरंजन नाइक (3) के स्टंप भी चौथे ओवर में कार्तिक सीए ने उखाड़ फेंके।

इंडस्ट्री के डिलीवरी एसोसिएट्स को बेहतर सुविधा देने के उद्देश्य से एमेज़ॉन इंडिया ने लॉन्च किया 'प्रोजेक्ट आश्रय'

रायपुर। डिलीवरी एसोसिएट्स को बेहतर सुविधा देने की अपनी अटूट प्रतिबद्धता के रूप में, एमेज़ॉन इंडिया ने 'प्रोजेक्ट आश्रय' लॉन्च किया है। इस प्रोग्राम के तहत विभिन्न रेस्ट-पॉइंट्स स्थापित किए जाएँगे, जहाँ संपूर्ण लॉजिस्टिक इंडस्ट्री के ड्राइवर्स को दिल्ली एनसीआर, बेंगलुरु और मुंबई जैसे शहरों में इन आश्रय स्थलों पर आराम करने की सुविधा मिल सकेगी। उदयसा फाउंडेशन के साथ साझेदारी में शुरुआती स्तर पर अधिक आवागमन वाले स्थानों पर पाँच आश्रय केंद्र स्थापित किए जाएँगे। पहले केंद्र का उद्घाटन मिचिको मियामोतो, इंडिया कंट्री डायरेक्टर, इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइज़ेशन द्वारा बुलेवार्ड, मालिबू टाउन, सेक्टर 47, गुरुग्राम में किया जाएगा। अभिनव सिंह, वाइस

प्रेसिडेंट ङ्क ऑपरेशंस, एमेज़ॉन इंडिया, ने कहा, एमेज़ॉन में, हम डिलीवरी एसोसिएट्स के लिए ऑन-रोड अनुभव को बेहतर बनाने के लिए इंडस्ट्री-प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर और उन्नत प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं। 'प्रोजेक्ट आश्रय' ड्राइवर के आराम और भलाई को बढ़ाने के हमारे प्रयासों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। आवश्यक सुविधाओं के साथ समर्पित रेस्ट-पॉइंट्स स्थापित करके, हमारा लक्ष्य तमाम डिलीवरी एसोसिएट्स को, चाहे वे अमेज़ॅन या अन्य कंपनियों के साथ हों, काम के दौरान एक आरामदायक और सहायक वातावरण प्रदान करना है।

मिचिको मियामोतो, इंडिया कंट्री डायरेक्टर, इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइज़ेशन, ने कहा, एमेज़ॉन के आश्रय केंद्रों के लॉन्च से डिलीवरी एसोसिएट्स को आराम करने और रिचार्ज करने के लिए सुरक्षित व आरामदायक स्थान उपलब्ध होंगे। यह विभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों को सुनिश्चित करने की एमेज़ॉन की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। हमें उम्मीद है कि ये सकारात्मक प्रयास भारत और दुनिया भर में अधिक लोगों को बेहतर श्रम और सामाजिक नीतियों के माध्यम से प्लेटफॉर्म श्रमिकों का समर्थन और सुरक्षा करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

इस पहल के तहत, एमेज़ॉन विभिन्न रेस्ट-पॉइंट्स स्थापित करेगा, ताकि डिलीवरी एसोसिएट्स की भलाई और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। ये रेस्ट-पॉइंट्स बैठने की आरामदायक जगह, स्वच्छ पानी और मोबाइल चार्जिंग स्टेशंस से लैस होंगे, ताकि एसोसिएट्स आराम कर सकें, हाइड्रेटेड रह सकें और ब्रेक के दौरान रिचार्ज कर सकें। ये रेस्ट-पॉइंट्स, जिन्हें आश्रय केंद्र कहा जाता है।

एचडीएफसी बैंक ने मुंबई ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में विदेश में पढ़ाई करने की योजना बना रहे छात्रों के लिए एडटेक प्लेटफॉर्म लॉन्च किया

मुंबई: भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने आज मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2024 के दौरान अपने एडटेक प्लेटफॉर्म को लॉन्च करने की घोषणा की। यह विदेशों में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए भुगतान गेटवे के रूप में काम करेगा तथा यह विदेशी हस्तांतरण के वित्तपोषण के मौजूदा ऑफ़लाइन तरीकों से विदेशी शिक्षा प्रेषण भुगतान प्रवाह को डिजिटल बनाने में सहायता करेगा। एचडीएफसी बैंक छात्रों को विदेश में विश्वविद्यालयों में पैसा भेजने में सक्षम बनाने के लिए शैक्षिक सलाहकारों/एग्रीगेटर्स के साथ साझेदारी करेगा। यह समाधान इन भागीदारों/सलाहकारों को डिजिटल भुगतान की सुविधा प्रदान करने और एचडीएफसी बैंक एडटेक प्लेटफ़ॉर्म कनेक्शन के माध्यम से मौजूदा आरबीआई दिशानिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने में सहायता करेगा, जिससे छात्रों को सुविधा मिलेगी और भुगतान ड्रॉप-ऑफ़ कम होगा। विदेश मंत्रालय के एक अनुमान के अनुसार 13 लाख से अधिक भारतीय छात्रों के शिक्षा उद्देश्यों के लिए विदेश जाने की उम्मीद है। सभी भारतीय बैंक मिलकर लगभग 3.5 बिलियन डॉलर के लेन-देन को संभालते हैं, जो कुल उदारीकृत प्रेषण सेवाओं का 11 प्रतिशत है। शिक्षा सलाहकारों और एग्रीगेटर्स के इस सेगमेंट में विकास की अपार संभावनाएँ हैं क्योंकि वे सेवाओं का एक पूरा सेट प्रदान करते हैं ।और विदेशों में अध्ययन करने के इच्छुक बड़ी संख्या में छात्रों की मदद करते हैं। एचडीएफसी बैंक के बिजनेस हेड और ईवीपी - रिटेल ट्रेड और फॉरेक्स श्री जतिंदर गुप्ता ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा, 'हम अपने नए एडटेक प्लेटफॉर्म को लॉन्च करने के लिए उत्साहित हैं।

एक करिश्माई मिशन के तहत किम्स कडल्स के डॉक्टरों ने एयरबोर्न रेस्क्यू मिशन के द्वारा छत्तीसगढ़ के लड़के की बचाई जान

हैदराबाद: रायपुर, छत्तीसगढ़ का एक 12 वर्षीय लड़का एक दुर्लभ संक्रमण से पीड़ित था, जिसके कारण तेज़ बुखार, दौरे और मस्तिष्क में दबाव जैसे सीवियर सिम्पटम्स पैदा हुए, जिससे अंततः वह अपने अभिभावकों को भी पहचानने में असमर्थ हो गया। शुरुआत में उसे रायपुर के एक लोकल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, लेकिन उसकी हालत खराब हो गई, जिसके बाद वहां के डॉक्टरों ने एडवांस्ड केयर के लिए हैदराबाद के कोंडापुर में स्थित किम्स कडल्स से संपर्क किया। किम्स कडल्स में बाल रोग विभाग के क्लिनिकल डायरेक्टर और बाल चिकित्सा आईसीयू के प्रमुख डॉ. पराग डेकाटे ने इस केस के डिटेल्स देते हुए बताया कि, लड़के को गंभीर बुखार, दौरे पड़ रहे थे और मस्तिष्क पर दबाव बढ़ रहा था। स्थानीय डॉक्टर बेहतर इलाज के लिए हमारे पास आए। हमारे रायपुर पहुंचने पर, दौरे बढ़ने, निम्न रक्तचाप और सांस लेने में कठिनाई के कारण लड़के की हालत और भी खराब हो गई थी। हमने तुरंत उसकी सांस को स्थिर करने के लिए इंट्यूबेटेड किया, मस्तिष्क के दबाव और दौरे को नियंत्रित करने के लिए दवाएं दीं, और फिर उसे एयरलिफ्ट करके हैदराबाद ले जाया गया। हमारे एक बाल चिकित्सा आईसीयू सलाहकार डॉ. तरुण ने कम्प्लीट एयर ट्रांसपोर्ट के दौरान सहायता की। लड़का यहां 9 दिनों तक भर्ती रहा। इस अवधि के दौरान, उसके मस्तिष्क में दबाव बढ़ गया और उसे अधिक दौरे पड़ने लगे, लेकिन हम उचित दवाओं के साथ इन सभी जटिलताओं का इलाज करने में कामयाब रहे।

इस संक्रमण को रिकेट्सियल इन्फेक्शन के रूप में जाना जाता है, जो रायपुर क्षेत्र में बेहद दुर्लभ है और इससे मस्तिष्क में बाधा उत्पन्न होती है इस स्थिति को रूश्वक्र कहा जाता है।

इसके अलावा लड़के के लीवर और किडनी में भी समस्या हो गई, जिसका हमने सफलतापूर्वक इलाज किया। उनके इलाज के चौथे दिन, हमने उन्हें वेंटिलेटर से हटा दिया, और नौवें दिन तक, वह पूरी तरह से ठीक हो गया और उसे छुट्टी दे दी गई।

डॉ. अविनाश और डॉ. कल्याण (पीडियाट्रिक इंटेंसिविस्ट) ने देश के किसी भी हिस्से से गंभीर मामलों को संभालने के लिए किम्स कडल्स (च्ढ्ढरूस् ष्टह्वस्त्रस्द्यद्गह्य) की क्षमता पर जोर दिया, खासकर जहां एडवांस्ड मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो सकती हैं।

कॉनकॉर्ड एनवायरो सिस्टम्स ने सेबी के पास फ्रेश आईपीओ दस्तावेज दाखिल किए

रायपुर। पर्यावरण इंजीनियरिंग सोल्यूशन फर्म कॉनकॉर्ड एनवायरो सिस्टम्स ने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम(आईपीओ) के माध्यम से धन जुटाने के लिए सेबी के साथ नए प्रारंभिक कागजात दाखिल किए हैं। मंगलवार को दायर ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के अनुसार, प्रस्तावित आईपीओ में 192.3 करोड़ रुपये के नए इक्विटी शेयर जारी करना और प्रमोटरों और एक निवेशक द्वारा 51.94 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) शामिल है। ओएफएस में शेयर बेचने वालों में प्रमोटर - प्रयास गोयल और प्रेरक गोयल, प्रमोटर समूह - नम्रता गोयल, निधि गोयल और पुष्पा गोयल और निवेशक एएफ होल्डिंग्स शामिल हैं। नए इश्यू से प्राप्त 25 करोड़ रुपये की आय को जल उपचार प्रणालियों के लिए एक नई असेंबली इकाई स्थापित करने के लिए कॉनकॉर्ड एनविरो एफ्ज़ेडई (सीईएफ) में निवेश किया जाएगा, और 10.505 करोड़ रुपये रोचेम सेपरेशन सिस्टम्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड में अपनी विनिर्माण सुविधाओं और सहायक गतिविधियों का विस्तार करने के लिए निवेश किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, कंपनी कर्ज के भुगतान के लिए सीईएफ में 50 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, नए बाजारों तक पहुंचने के लिए टेक्नोलॉजी और विकास पहल के लिए 33.5 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे, 20 करोड़ रुपये का उपयोग सीईएफ की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जाएगा। 10 करोड़ रुपये रोज़र्व एनवायरो प्राइवेट लिमिटेड को अपने प्रति उपयोग भुगतान/जैसा व्यवहार करें वैसा भुगतान करें व्यवसाय का विस्तार करने के लिए दिए जाएंगे। साथ ही, प्लांट और मशीनरी पर कंपनी के पूंजीगत व्यय के लिए 3.228 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे और आय का एक हिस्सा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। यह कंपनी का आईपीओ लाने का दूसरा प्रयास है। इससे पहले, कंपनी ने 2022 में सेबी के साथ ड्राफ्ट आईपीओ कागजात दाखिल किए थे और सार्वजनिक निर्गम जारी करने के लिए इसकी मंजूरी प्राप्त की थी। हालाँकि, कंपनी ने अपना पहला सार्वजनिक निर्गम लॉन्च नहीं किया।

29 अगस्त को मनाया जाएगा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में 29 अगस्त 2024 को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश के 1 वर्ष से 19 वर्ष के सभी बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को आंगनबाड़ी केन्द्रों, शासकीय विद्यालयों, स्वास्थ्य केन्द्रों, अनुदान प्राप्त निजी स्कूलों और तकनीकी शिक्षा संस्थानों में कृमि की दवा का सेवन कराया जाएगा। बच्चों व किशोरों के अच्छे स्वास्थ्य, बेहतर पोषण,नियमित शिक्षा तक पहुंच और जीवन की गुणवत्ता में बढ़ोत्तरी के लिए कृमिनाशक दवा देना आवश्यक है। प्रदेश में 1 से 19 वर्ष के 1 करोड़ 7 लाख 97 हजार बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को कृमिनाशक दवा खिलाने का लक्ष्य रखा गया है।

संक्षिप्त समाचार

ऑल इंडिया फॉरेस्ट स्पोर्ट्स में भाग लेने के लिए शूटर्स प्रतिभागियों ने की प्रैक्टिस

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ प्रदेश रायफल एसोसिएशन द्वारा 13 अगस्त से 23 अगस्त तक राइफल चैंपियनशिप का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश के सभी जिलों से आए शूटर्स खिलाड़ियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया, 23 अगस्त को समापन समारोह उपरांत 24 से 26 अगस्त तक छत्तीसगढ़ फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के शूटर्स का ट्रायल किया गया जो कि अक्टूबर में होने वाले ऑल इंडिया फॉरेस्ट स्पोर्ट्स में भाग लेंगे, अक्टूबर में होने वाले ऑल इंडिया फॉरेस्ट स्पोर्ट्स अलग अलग श्रेणी महिला/पुरुष वर्ग में आयोजित की जाएगी। इसी को ध्यान में रखते हुए फॉरेस्ट विभाग से कई अधिकारी शूटर्स प्रतिभागियों ने माना शूटिंग रेंज में अपने ट्रायल से अपनी शूटिंग की कमियों को देखा और उसे सुधारने का प्रयास भी किया।

श्रीमती विद्याबाई जैन का निधन

सागर (विश्व परिवार)। अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि श्रीमती विद्याबाई जैन का आकस्मिक निधन आज दिनांक 28-08-2024 प्रात: इंदौर में हो गया। आप श्री विवेक नीलम जैन एवं श्री विनय पूजा जैन पारस थ्रेड वालों की माताजी थी। अंतिम संस्कार गृह नगर सागर (मध्यप्रदेश) में आज दिनांक 28 अगस्त 2024 को किया गयाा। शोकाकुल परिवार जन- श्री निर्मल चंद जैन, श्री अशोक जैन, श्री विवेक नीलम जैन (पारस थ्रेड वाले), श्री विनय ममता जैन, विनित निधि जैन सागर, विपिन जैन इंदौर, विपुल जैन, जैनम जैन रायपुर एवं सागर परिवार।

ग्राम केन्दापानी में लगाया गया नया ट्रांसफार्मर

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप बिजली आपूर्ति शहरी इलाकों से लेकर ग्रामीण अंचलों में निर्बाध रूप संचालित हो इसके लिए विद्युत विभाग के द्वारा दिन हो या रात सतत रूप से ट्रांसफॉर्मर, केबल और ग्रिप चेंज का कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में जशपुर जिले के हाथी प्रभावित क्षेत्र दुलदुला के ग्राम केन्दापानी बरडांड में ट्रांसफार्मर खराब होने की वजह से बिजली आपूर्ति बाधित हो रही थी।

देश में टी.बी. को जड़ से खत्म करने के लिए जनजागरूकता आवश्यक है : रमेन डेका

टी.बी. उन्मूलन की परियोजना के राज्य स्तरीय प्रसार कार्यक्रम में शामिल हुए राज्यपाल

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त भारत अभियान के तहत देश में वर्ष 2025 तक टी.बी. रोग जड़ से समाप्त करने के लिए सबको एक साथ मिलकर काम करना है। टी.बी. उन्मूलन समुदाय के सहयोग के बिना संभव नहीं है। टी.बी. के प्रति सभी को जागरूक होना होगा। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज टी.बी. उन्मूलन के लिए चलाई जा रही एलाइस परियोजना के राज्य स्तरीय प्रसार कार्यक्रम में उक्त बाते कही।

रीच संस्था के सहयोग से छत्तीसगढ़ सहित देश के चार राज्यों में यह परियोजना चलाई जा रही है। रीच छत्तीसगढ़ में राज्य टी.बी. कार्यक्रम के साथ एक भागीदार के रूप में कार्य कर रहा है। रीच ने टी.बी. रोग से लड़ कर इससे मुक्त होने वाले टी.बी. चैम्पियंस का एक नेटवर्क बनाया है। एलाइस परियोजना के तहत 904 टी.बी. चैम्पियंस को प्रशिक्षित किया गया है जो सरकार के साथ मिलकर टी.बी. उन्मूलन और स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए काम कर रहे हैं। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि हम सभी को मिलकर इस परियोजना के उद्देश्य को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि केन्द्र व राज्य शासन इस बीमारी को देश में जड़ से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन इसके लिए जनजागरूकता भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के पहल पर चलाए जा रहे प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत निक्षय मित्र बनें और एक या एक से अधिक टी.बी. मरीजों को गोद लेकर उन्हें पोषण आहार या अन्य सहायता प्रदान कर सकते है।

इस अवसर पर राज्यपाल ने एलाइस परियोजना से संबंधित रिर्पोर्ट का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन रीच संस्था की श्रीमती सरला सिंघानिया ने किया। टी.बी. रोग से लड़कर चैम्पियंन बनी दुर्ग की कुमारी चंद्रकला यादव ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि 10 वर्ष पूर्व उसे टी.बी. हुआ था लेकिन पूर्ण इलाज से वह ठीक हो गई है और दूसरे टी.बी. रोग से पीड़ित व्यक्तियों को भी वह प्रेरित करती है, साथ ही राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम में भी सहयोग देती है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन छत्तीसगढ़ के संचालक डॉ. जगदीश सोनकर ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर एलाइस परियोजना के मैनेजर, रीच संस्था के सदस्य तथा टी.बी. रोग से मुक्त होने वाले चैम्पिंयस उपस्थित थे।

गृहमंत्री के बंगले के बाहर धरने पर बैठे सब इंस्पेक्टर परीक्षार्थी

रायपुर (विश्व परिवार)। गृह मंत्री विजय शर्मा निवास के बाहर स्ब्ह परीक्षा केअभ्यर्थी ने विगत बुधवार को धरना दिया। एसआई की परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों ने कहा कि पिछले साढ़े पाँच सालों से अपनी माँग को लेकर सड़क की लड़ाई लड़ रहें है। अब सरकार साफ़ करे कि वो रिजल्ट जारी करेगी या नहीं, अगर सरकार रिजल्ट जारी नहीं कर रही है तो हमें इच्छा मृत्यु दे दे। इंटरव्यू होने के बाद भी अब तक रिजल्ट नहीं आया है। दरअसल बात साल 2018 की है, जब सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा-2018 हुई थी। इस बात को 6 साल का समय हो चूका है लेकिन अब तक इसके परिणाम जारी नहीं किये गए है। इसी के विरोध में अभ्यर्थी भारी संख्या में गृहमंत्री के बंगले के बाहर पहुंचे है। बता दें, प्रदेश भर में करीब 1400 से ज्यादा अभ्यर्थी है जिन्हे नतीजों का इंतजार है। हाथों में तख्तियां लिए अभ्यर्थी गृह मंत्री विजय शर्मा निवास पहुंचे थे।

रायपुर की बिटिया कु. संजना ने बढ़ाया प्रदेश का मान, खेलेगी होमलेस वर्ल्ड कप फुटबॉल

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर की बेटी कु. संजना छुरा का आगामी सितंबर माह में साउथ कोरिया में होने वाले होमलेस वर्ल्ड कप फुटबॉल मैच में चयन हुआ है। यह मैच 21 सितंबर से 28 सितंबर तक होगा। बताया जा रहा है कि, कु. संजना छुरा बाल्यकाल से ही फुटबॉल खेल रही है। कई सारे राष्ट्रीय फुटबॉल मैचों में अपना बेहतर प्रदर्शन दिखा चुकी है।

दरअसल, बीते 22 अगस्त को कीड़ा विकास संस्थान नागपुर के सीईओ डॉ अभिजीत ने रायपुर कटोरा तालाब निवासी कु. संजना छुरा के नाम से पत्र जारी करते हुए चयन की जानकारी दी है। इसके बाद उत्कल समाज के लोगों में काफी उत्साह है। बता दे की होमलेस वर्ल्ड कप एक वार्षिक एसोसिएशन फुटबॉल टूर्नामेंट है जिसका आयोजन होमलेस वर्ल्ड कप फाउंडेशन द्वारा किया जाता है, यह एक सामाजिक संगठन है जो खेल के माध्यम से बेघरपन के अंत की बात करता है। यह संगठन एक वार्षिक फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजित करता है जिसमें विभिन्न देशों के बेघर लोगों की टीमें प्रतिस्पर्धा करती हैं। मिली जानकारी उत्कल समाज के वरिष्ठ नेता अधिवक्ता भगवानू नायक ने कहा कि, यह गौरव का विषय है कि हमारे की समाज बेटी संजना छुरा का चयन साउथ कोरिया में होने वाले वर्ल्ड कप फुटबॉल के लिए हुआ है। यह सिर्फ एक परिवार या समाज का नहीं बल्कि इससे हमारे शहर, प्रदेश और देश का नाम भी रोशन होता है।

मैट्स यूनिवर्सिटी में 7-दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम की शुरुआत

रायपुर (विश्व परिवार)। मैट्स यूनिवर्सिटी, रायपुर के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड आईटी ने डिप्लोमा, बी.टेक और पीजी पाठ्यक्रमों (2024 बैच) के नए छात्रों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम-दीक्षारंभ-2024 की शुरुआत आज (28 अगस्त 2024) विश्वविद्यालय के सभागार में की। उद्घाटन समारोह का शुभारंभ कुलाधिपति श्री गजराज पगारिया और विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर पी.के. निमोणकर ने दीप प्रज्वलन और देवी सरस्वती को पुष्प अर्पित कर किया। कार्यक्रम में कुलपति डॉ. के.पी. यादव, रजिस्ट्रार श्री गोकुलानंद पांडा, इंजीनियरिंग विभाग की निदेशक डॉ. आशा अंबइकर, और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। डॉ. अंबइकर ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से कॉलेज की पृष्ठभूमि, बुनियादी ढांचे, और उपलब्धियों को साझा किया और छात्रों को ईमानदारी से अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। कुलपति डॉ. यादव ने छात्रों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए समय का सदुपयोग करने और पुस्तकालय संस्कृति को अपनाने पर जोर दिया। इस 7-दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को कॉलेज के वातावरण से परिचित कराना और शिक्षा के तकनीकी व सामाजिक पहलुओं से अवगत कराना है। आयोजन का सफल समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसे समाज और राष्ट्र के प्रति सम्मान का प्रतीक माना गया। मैट्स यूनिवर्सिटी के महानिदेशक श्री प्रियेश पगारिया ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी को बधाई दी।

एनएबीएल आईएसओ 15189:2022 पर एक दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम 27 अगस्त को एम्स रायपुर में सम्पन्न हुआ

रायपुर (विश्व परिवार)। एम्स रायपुर के बायोकैमिस्ट्री विभाग ने एनएबीएल (नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लैबोरेटरीज) के साथ मिलकर 27 अगस्त 2024 को एनएबीएल आईएसओ 15189:2022 पर फैकल्टी, रेजिडेंट्स, क्वालिटी मैनेजर्स और लैबोरेटरी टेक्निकल असिस्टेंट्स के लिए एक दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्व्श।।स्न्ङ्ख) के निर्देशों के अनुसार, एनएबीएल एक्रेडिटेशन सभी एम्स के लिए एक प्राथमिकता है। इस संदर्भ में एम्स रायपुर में सभी लैब कर्मियों के लिए पहले ही 4-दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया जा चुका है, और यह ओरिएंटेशन प्रोग्राम उसी प्रशिक्षण का अनुसरण है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त), कार्यकारी निदेशक और सीईओ एम्स रायपुर द्वारा किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने उल्लेख किया कि एक्रेडिटेशन आज के समय की जरूरत है, और एम्स रायपुर की प्रयोगशालाएं वैश्विक मानकों के अनुसार मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए प्रगति कर रही हैं। बायोकैमिस्ट्री विभाग के एचओडी और एम्स रायपुर के लिए लैब एक्रेडिटेशन के नोडल अधिकारी प्रो (डॉ) एली मोहपात्रा ने आगे जोर दिया कि एनएबीएल एक्रेडिटेशन प्राप्त करने का मतलब होगा कि उत्पन्न मरीजों की रिपोर्ट वैश्विक गुणवत्ता मानकों की पुष्टि करती है। इस उद्देश्य के लिए, एम्स रायपुर के बायोकैमिस्ट्री विभाग ने विभाग के समन्वयक प्रो (डॉ) रचिता नंदा के तहत एनएबीएल प्रमाणन की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इस कार्यक्रम के वक्ताओं में सुश्री श्वेता सिन्हा, डिप्टी डायरेक्टर एनएबीएल, और डॉ अभिषेक शर्मा, असिस्टेंट डायरेक्टर एनएबीएल शामिल थे। बायोकैमिस्ट्री, पैथोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी और रेडियोलॉजी विभागों के प्रतिभागियों ने इस अकादमिक आयोजन के दौरान गहन विचार-विमर्श किया।

सीएम विष्णुदेव साय को नुआखाई शोभा यात्रा में शामिल होने का मिला न्योता

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से कल यहां उनके निवास कार्यालय में नुआखाई शोभायात्रा संचालन समिति रायपुर के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री श्री साय को नुआखाई पर्व शोभायात्रा के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने का निमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री को समिति के सदस्यों ने बताया कि आगामी 3 सितम्बर को शाम 5 बजे राजधानी रायपुर के ग्रास मेमोरियल खेल मैदान में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रतिनिधिमंडल को नुआखाई पर्व की अग्रिम बधाई देते हुए आमन्त्रण के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। इस अवसर पर नुआखाई शोभायात्रा संचालन समिति रायपुर से प्रताप, गोपाल सोना, रघुचंद्र निहाल, जितेन्द्र, गणेश हरपाल, वैष्णव, भरत छुरा, चंदु बघेल, सुरज, पंकज, राजु,

एएम/एनएस इंडिया द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर एवं 6 दिवसीय नेत्र जांच शिविर का आयोजन

समलवार ग्राम पंचायत में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर, 85 मरीजों को मिली नि:शुल्क दवा और जांच सुविधाएं

दंतेवाड़ा (विश्व परिवार)। आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया कम्पनी (एएम/एनएस) द्वारा समलवार ग्राम पंचायत में आयोजित नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में 85 मरीजों को लाभान्वित किया गया। इस शिविर में मरीजों को नि:शुल्क दवाओं के साथ-साथ पैथोलॉजिकल जांच की सुविधाएं भी प्रदान की गई, जिनमें शुगर, बीपी, और मलेरिया की जांच शामिल हैं। इसके अलावा चित्रकोंडा पाइपलाइन कॉरिडोर के गांवों के लिए कल 6 दिवसीय नेत्र जांच शिविर का शुभारंभ किया गया। इस शिविर के पहले दिन ही 287 लोगों की आंखों की जांच की गई और उन्हें मुफ्त दवाएं एवं विशेषज्ञ परामर्श प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ ही एएम/एनएस इंडिया की सीएसआर टीम एवं ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

स्थानीय ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होंगे और समय पर आवश्यक उपचार प्राप्त कर सकेंगे।

एएम/एनएस इंडिया कम्पनी दंतेवाड़ा के पाइपलाइन गांवों एवं आदिवासी क्षेत्रों में विकास, सामाजिक कल्याण, युवा उत्थान, स्पोर्ट्स, शिक्षा एवं रोजगार के साथ ही ग्रामीणों के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा को प्राथमिकता देने के लिए लगातार प्रयासरत है। इन स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से कम्पनी ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाने एवं नेत्र स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है। जिसके फलस्वरूप ग्रामीण क्षेत्रों का विकास एवं स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार किया जा सके।

कृषि अभियंताओं का दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आज से

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह करेंगे शुभारंभ, कृषि मंत्री रामविचार नेताम करेंगे अध्यक्षता

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में जुटेंगे देश भर के कृषि अभियंता

रायपुर (विश्व परिवार)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में 29 और 30 अगस्त 2024 को 'सतत विकास के लिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार हेतु कृषि अभियंताओं का योगदान' विषय पर 36वां राष्ट्रीय सम्मेलन एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का शुभारंभ 29 अगस्त को सुबह 10:45 बजे छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह करेंगे। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम इस समारोह की अध्यक्षता करेंगे। इस कार्यक्रम में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, केन्द्रीय भू-जल बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सुनील के. अम्बस्ट, और इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के उपाध्यक्ष डॉ. नूतन के. दास विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

इस राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) छत्तीसगढ़ स्टेट सेंटर, रायपुर, स्वामी विवेकानंद कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी संकाय और इंदिरा गांधी कृषि विवि के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। सम्मेलन में इंजीनियरिंग इनपुट का संरक्षण और प्रबंधन, फार्म मशीनरी, कृषि प्रसंस्करण, गैर पारंपरिक ऊर्जा स्रोत, मिट्टी और जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी।

रायपुर रेल मंडल में ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन को लेकर ऑनलाइन संरक्षा सेमिनार का किया गया आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। दिनांक 28 अगस्त 2024 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के संरक्षा विभाग के द्वारा ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन हेतु परिचालन, विद्युत परिचालन, यांत्रिक, सिग्नल एवं दूरसंचार तथा इंजीनियरिंग विभाग के कर्मचारियों के साथ ऑनलाइन में संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें निम्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। स्पैड से बचाव के लिए बरती जाने वाली सावधानियां एवं ऑटोमेटिक सिगनलिंग कार्य में दिये जाने वाले प्राधिकार तथा चालक एवं परिचालक द्वारा बरती जाने वाली सावधानियां, शंटिंग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां एवं ओ एच ई फेलुअर के दौरान ट्रेन का परिचालन, गेटकीपर का कर्तव्य, एच एल वैगन का रखरखाव एवं डिरेलमेंट का कारण एवं निवारण, प्वाइंटस एवं सिग्नल फेलुअर के दौरान स्टेशन एवं सिग्नल कर्मचारी द्वारा ली जानेवाली सावधानियां, हाल ही में हुई दुर्घटनाओं का विश्लेषण तथा ट्रेन में आग से बचाव तथा अग्निशामक यंत्र का उपयोग एवं प्रदर्शन।

इस संरक्षा सेमिनार में श्री सुरेश चन्द्र, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी/रायपुर ने मुख्य रूप से भाग लिया तथा श्री भूपेश साहू, संरक्षा सलाहकार/यांत्रिक, श्री हरीशचन्द्र कर, संरक्षा सलाहकार/विद्युत ने संरक्षा सेमिनार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संरक्षा संगठन/रायपुर मंडल के द्वारा प्रत्येक माह में 02 संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन रायपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों तथा ऑनलाइन भी किया जाता है, जिससे कर्मचारियों में कार्य करने के दौरान संरक्षा के प्रति जागरुकता लाई जा सके। उक्त संरक्षा संगोष्ठी में संरक्षा सलाहकार, सुपरवाइजर, एवं फील्ड कर्मचारियों को मिलाकर कुल 57 लोगों ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय खेल दिवस की दी शुभकामनाएं

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रीय खेल दिवस 29 अगस्त पर प्रदेशवासियों, खिलाड़ियों और खेल-प्रेमियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। श्री साय ने कहा कि हॉकी के जादूगर माने जाने वाले मेजर ध्यानचंद के सम्मान और याद में उनके जन्मदिन को हम हर साल खेल दिवस के रूप में मनाते हैं। श्री साय ने मेजर ध्यानचंद के खेल के क्षेत्र में योगदान को याद करते हुए कहा कि ध्यानचंद जी ने हॉकी में अपनी अद्भुत खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर भारत को ओलंपिक में तीन बार गोल्ड मेडल दिलाया। उन्होंने अपने खेल से भारतवासियों का सिर गर्व से ऊंचा किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलों का जीवन में बहुत महत्व होता है। खेल से व्यक्तित्व में नेतृत्व, समर्पण, अनुशासन जैसे गुण विकसित होते हैं जो जीवन के हर क्षेत्र में सफल होने के लिए मदद करते हैं। छत्तीसगढ़ सरकार राज्य की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354